Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 276 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, सोमवार 06 अप्रैल 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

ईस्टर पर पीएम मोदी और खरगे ने दी बधाई देशभर में उमंग के साथ मनाया जा रहा है त्योहार

नयी दिल्ली/इम्फाल। देशभर में ईस्टर का त्योहार हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और समाज में शांति, एकता एवं करुणा की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर बधाई देते हुए कहा कि यह पवित्र दिन आशा और नवजीवन का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि ईसा मसीह की शिक्षाएं सभी को दयालु बनने और समाज में एकजुटता की भावना को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित करें। खरगे ने अपने संदेश में कहा कि ईसा मसीह का पुनरुत्थान इस बात की शाश्वत सीख है कि सत्य हमेशा असत्य पर विजय प्राप्त करता है और आशा निराशा से ऊपर उठती है।

ईस्टर ईसाई धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जो ईसा मसीह के पुनरुत्थान (दोबारा जी उठने) की याद में मनाया जाता है। यह त्योहार निराशा पर विजय और नयी शुरुआत का प्रतीक है। प्रार्थनाएं, चर्च में विशेष सभाएं और दान-पुण्य के कार्य इस उत्सव का मुख्य हिस्सा

होते हैं। भारत में केरल, गोवा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में इसकी विशेष रौनक देखने को मिलती है, जहां चर्चों को फूलों से सजाया जाता है और प्रार्थना सभा आयोजित की जाती हैं।

मान्यताओं के अनुसार, ईसा मसीह को आज से लगभग दो हजार साल पहले यरूशलम में रोम के शासकों ने सूली पर चढ़ा दिया था। जिस दिन उन्हें सूली दी गयी, उसे 'गुड फ्राइडे' कहा जाता है। सूली पर चढ़ाये जाने के बाद उनके पार्थिव शरीर को एक कब्र में रखा गया था और उसके द्वार पर एक विशाल पत्थर लगा दिया गया था। गुड फ्राइडे के तीसरे दिन यानी रविवार को जब अनुयायी वहां पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि पत्थर हटा हुआ था और गुफा खाली थी। मान्यता है कि ईसा मसीह मृत्यु पर विजय प्राप्त कर दोबारा जीवित हो गये थे। इसी दिन को ईस्टर के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे जहां सत्य के लिए बलिदान का प्रतीक है तो ईस्टर असत्य पर सत्य की जीत का। मणिपुर में भी ईस्टर का पर्व बड़े पैमाने पर मनाया गया। राज्य के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने लोगों को बधाई देते हुए कहा कि ईस्टर हमें याद दिलाता है कि कठिन समय के बाद भी उम्मीद की किरण जगती है। उन्होंने राज्य की वर्तमान चुनौतियों का जिक्र करते हुए सभी समुदायों से मतभेदों को भुलाकर आपसी विश्वास बहाल करने और भाईचारे की भावना को फिर से जीवंत करने की अपील की।

मोदी कूच बिहार में एक जनसभा को संबोधित करेंगे

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में एक जनसभा को संबोधित करने के साथ विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री उत्तरी बंगाल के कूच बिहार के ऐतिहासिक रास मेला मैदान में एक विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही, चुनावों की घोषणा के बाद पार्टी राज्य के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत होगी। यह जनसभा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पार्टी का जनता का आरोप पत्र पेश किए जाने के कुछ दिनों बाद हो रही है। श्री शाह ने इस आरोप पत्र में राज्य की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएससी) के भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को उजागर किया था। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि श्री मोदी इसी मुद्दे को आगे बढ़ाएंगे और कूच बिहार रैली से विकसित पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी के दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के अनुसार, प्रधानमंत्री का संबोधन विकास, रोजगार और राज्य की समृद्धि को बहाल करने पर केंद्रित होगा। मोदी ने 2021 के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान भी इसी स्थान पर रैलियों को संबोधित किया था।

केरल में अमित शाह की रैली एलडीएफ़यूडीएफपर निशाना एनडीए सरकार बनाने की अपील की

कोच्चि। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल की जनता से राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने की अपील की। इस अवसर पर शाह ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ-यूडीएफ) पर निशाना साधते हुये हमला बोला।

शाह ने कुन्नथुनाड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की राजनीति में बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि केरल में एनडीए सरकार बनाई जाए।

शाह ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और वामपंथी विचारधारा वैश्विक स्तर पर कमजोर हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में एलडीएफऔर कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ वर्षों से सत्ता में बारी-बारी से आते रहे हैं, लेकिन दोनों ही गठबंधन भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है और केरल को भी इस विकास यात्रा में शामिल होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि केरल के उवल भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है।

शाह ने दावा किया कि केरल में राजग का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि 2014 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 14 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 16 प्रतिशत और 2024 में 20 प्रतिशत तक पहुंच गए। उन्होंने कहा कि यह बढ़ता समर्थन संकेत देता है कि राज्य में अब राजग सरकार बनाने का समय आ गया है। शाह ने कहा कि एलडीएफ (वाम मोर्चा) वैश्विक स्तर पर कमजोर हो चुका है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ राष्ट्रीय स्तर पर खत्म होने की कगार पर है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों गठबंधनों ने राज्य के विकास को पीछे धकेला है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हरित क्रांति के लिए 17 विभागों को मिली जिम्मेदारी, यमुना सफाई और ई-बसों पर ज्यादा जोर

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में हरित क्रांति लाने के लिए प्रदेश सरकार ने 17 प्रमुख विभागों को जिम्मेदारी सौंपी है और इन विभागों को चरणबद्ध रूप में धनराशि आवंटित की गयी है ताकि हर क्षेत्र में समन्वित तरीके से काम हो सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली की आबो-हवा सुधारने और आने वाली पीढ़ियों को प्रदूषण-मुक्त भविष्य देने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में 'हरित बजट' का व्यापक और संतुलित खाका प्रस्तुत किया था।

एलपीजी संकट को लेकर प्रवासियों के पलायन वाला संजीव झा का बयान भ्रामक : भाजपा

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एलपीजी संकट को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में बसे पूर्वांचल और अन्य राज्यों के प्रवासियों के समक्ष रोज़गार के संकट वाले आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक संजीव झा के बयान की निंदा की है।

दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह और पार्टी के पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा ने संयुक्त बयान जारी कर झा के बयान की निंदा की और उनके बयान को भ्रामक बताया है।

ट्रंप का दावा, तेहरान पर किये गये हमले में ईरान के कई सैन्य अधिकारियों की मौत

वाशिंगटन। होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम देने के कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फिर दावा किया कि तेहरान में एक 'भीषण हमले' में ईरान के कई शीर्ष सैन्य अधिकारियों को 'खत्म' कर दिया गया है।

ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह 'भीषण हमला' कब किया गया, लेकिन उन्होंने एक वीडियो साझा किया जिसमें किसी स्थान से धुआं उठता दिखाई दे रहा है। यह अभी साफ नहीं है कि वीडियो नया है या पुराना और किस जगह को निशाना बनाया गया है। ट्रंप ने अपने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा, ईरान के कई सैन्य अधिकारी इस भीषण हमले में तेहरान में खत्म कर दिए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा उनके उस अल्टीमेटम के कुछ घंटों बाद आया है, जिसमें उन्होंने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर 48 घंटों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला गया, तो उन पर भारी कयामत टूटेगी। उन्होंने कहा, याद रखें जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था। अब समय खत्म हो रहा है—48 घंटे बचे हैं, इसके बाद उन पर चौतरफा आफत बरसेगी। दूसरी ओर, ईरान ने ट्रंप के इस अल्टीमेटम को 'हताशापूर्ण, घबराहट भरा, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कदम' बताते हुए खारिज कर दिया है। ईरान के 'खातम अल-अंबिया' केंद्रीय मुख्यालय के जनरल अली अब्दुल्लाही अली आबादी ने ट्रंप को चेतावनी दी कि यदि ईरान के बुनियादी ढांचे पर कोई भी अमेरिकी या इजरायली हमला हुआ, तो पश्चिमी एशिया में सभी अमेरिकी सैन्य संपत्तियों और इजरायली ठिकानों पर 'विनाशकारी और निरंतर' हमले किए जाएंगे। ईरान की समाचार एजेंसी 'फार्स' के अनुसार, अली आबदी ने कहा कि लगातार हार स्वीकार करने के बाद अमेरिका के आक्रामक और युद्धोन्मादी राष्ट्रपति ने हताशा में आकर ईरान की राष्ट्रीय संपत्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है।

असम के लोग हिमंता को माफ नहीं करेंगे: राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर रविवार को विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान हमला बोलते हुए कहा कि राज्य की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि सरमा के जेल जाने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

गांधी ने असम के विश्वनाथ विधानसभा में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि सरमा न केवल सबसे भ्रष्ट बल्कि सबसे ज्यादा सांप्रदायिक मुख्यमंत्री हैं जो लगातार नफरत फैलाने का काम

कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और असम की जनता उन्हें कानून के अनुसार सजा दिलाएगी। गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि असम की सरकार दिल्ली से संचालित हो रही है और राज्य को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े उद्योगपतियों जैसे मुकेश अंबानी, गौतम अडानी और बाबा रामदेव को जमीनें दी जा रही हैं।

उन्होंने भाजपा सरकार के वादों सस्ता गैस सिलेंडर मुहैया कराने और चाय बागान मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने के वादे को अधूरा बताया। गांधी ने कांग्रेस सरकार बनने पर महिलाओं को आर्थिक सहायता मुहैया कराने, मजदूरी 450 रुपए तय करने के साथ साथ पेंशन वृद्धि, जमीन के पट्टे देने और 25 लाख तक स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया।

स्टालिन ने मोदी, शाह, प्रधान को दी चुनौती, तमिलनाडु आकर करें 'त्रिभाषा फॉर्मूले' पर चुनाव प्रचार करें

चेन्नई। चुनाव की दहलीज पर खड़े तमिलनाडु में सीबीएसई का अनिवार्य 'त्रिभाषा फॉर्मूला' बड़ा सियासी मुद्दा बन गया है।दशकों से 'द्विभाषा फॉर्मूले' का पालन कर रहे इस द्रविड़ राज्य के मुख्यमंत्री एवं द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस भाषाई मुद्दे पर तमिलनाडु में आकर चुनाव प्रचार करने की सीधी चुनौती दी। स्टालिन ने विरुधुनगर में विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, भले ही हम चुप रहें, लेकिन किसी न किसी रूप में हिंदी को थोपने की कोशिश कर भाजपा तमिलनाडु में अपनी कब्र खुद खोद रही है। वे इसमें बहुत माहिर हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनौती देता हूं कि जब वे यहां चुनाव प्रचार के लिए आएं, तो 'त्रिभाषा नीति' के पक्ष में प्रचार करके दिखायें।

कुवैत में वित्त मंत्रालय और तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले

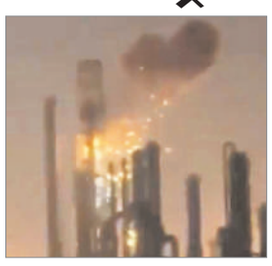

दोहा। कुवैत में रविवार को वित्त मंत्रालय पर ड्रोन से हमला किया गया जिससे इमारत को काफी नुकसान पहुंचा है जबकि शुवैख जिले में एक तेल रिफाइनरी में आग लग गई।

हमलों में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

कुना समाचार एजेंसी के अनुसार हमले में मंत्रालय की इमारत को हुए भारी नुकसान के बाद कर्मचारियों को घर से काम करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले, बुधवार को कुवैत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। इस ड्रोन हमले से ईंधन के टैंकों में आग लग गई थी।

उल्लेखनीय है कि गत 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान में विभिन्न ठिकानों पर हमले शुरू किए, जिससे काफी जान माल का नुकसान हुआ। ईरान, इज़रायली क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले कर रहा है।

अमेरिकी पायलट बचाव अभियान विफल, दो हेलीकॉप्टर नष्ट : ईरान

तेहरान। ईरान ने कहा कि पायलट को बचाने का अमेरिकी अभियान विफल रहा और दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और एक सी-130 सहायक विमान को मार गिराया गया। यह जानकारी ईरानी सैन्य कमान के केंद्रीय मुख्यालय खातम अल-अनबिया के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़गरी ने रविवार को दी।

ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, ज़ोल्फ़गरी ने कहा, दुश्मन द्वारा दुर्घटनाग्रस्त विमान के पायलट को बचाने के प्रयास विफल रहे हैं। इस्फ़हान के दक्षिण में, दुश्मन के हवाई ठिकानों को नष्ट किया गया, जिनमें दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और एक सी-130 सैन्य परिवहन विमान शामिल हैं। वे अब आग की चपेट में हैं। इससे पहले, प्रेस टीवी प्रसारक ने रविवार को कहा कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने इस्फ़हान के दक्षिण में एक अमेरिकी विमान को रोककर नष्ट करने की घोषणा की, जो पहले से ही दुर्घटनाग्रस्त एफ-15ई लड़ाकू विमान के पायलट की तलाश कर रहा था।

प्रसारक ने ईरानी वायु रक्षा विभाग के एक बयान का भी हवाला दिया जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने एक इजरायली हर्मेस-900 ड्रोन को रोककर नष्ट कर दिया।

शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि ईरान में गिराए गए एफ-15ई विमान को बचा लिया गया और वह सुरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा था कि इस अभियान में दर्जनों विमान शामिल हुए। 28 फरवरी को, अमेरिका और इज़रायल ने तेहरान सहित ईरान में कई ठिकानों पर हमले किए, जिससे बहुत नुकसान हुआ और नागरिक हताहत हुए। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इज़रायली क्षेत्र और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया।

अमेरिका और इज़रायल ने शुरू में दावा किया कि उनका पूर्व-नियोजित हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले कथित खतरे को रोकने के लिए आवश्यक था लेकिन जल्द ही उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि वे ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं।

आदिवासी संस्कृति, आतिथ्य परंपरा और रोजगार संवर्धन की पहल की सराहना

राज्यपाल रमेन डेका ने केरेगांव होम-स्टे का किया भ्रमण

जशपुरनगर। राज्यपाल रमेन डेका जशपुर प्रवास के दौरान शनिवार को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल देशदेखा के समीप स्थित केरेगांव पहुंचे। जहां उन्होंने ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत विकसित होम-स्टे का भ्रमण किया। इस दौरान वे स्थानीय आदिवासी संस्कृति, जनजीवन और पारंपरिक आतिथ्य परंपरा से रूबरू हुए। होम-स्टे प्रवास के दौरान उन्होंने देशदेखा समूह की महिलाओं द्वारा पारंपरिक विधि से तैयार किए गए व्यंजनों का स्वाद चखा। राजपाल डेका ने ग्रामीण परिवेश में विकसित होम-स्टे को प्रेरणादायक कदम बताया और कहा कि यह प्रयास न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि स्थानीय महिलाओं और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाते हैं।

पारंपरिक व्यंजन और जसक्राफ्ट की प्रशंसा, अधिकारियों को हर संभव सहयोग करने कहा

इस अवसर पर स्थानीय महिलाओं द्वारा चीला रोटी, महुआ रोटी, चटनी, पीठा रोटी सहित अन्य पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। राज्यपाल रमेन डेका ने इन व्यंजनों के उत्कृष्ट स्वाद, शुद्धता एवं पारंपरिक विधि से बनाए जाने की सराहना करते हुए स्थानीय संस्कृति की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने 'जसक्राफ्ट' ब्रांड के तहत छिंद एवं कांसा से निर्मित पारंपरिक आभूषण माला एवं झुमके राज्यपाल को भेंट किए। राज्यपाल डेका ने स्थानीय महिलाओं द्वारा निर्मित

उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल कौशल विकास, रोजगार सृजन तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

एडवेंचर स्पोर्ट, पर्यटन को मिलेगी नई गति

इस दौरान 'देशदेखा क्लाइंबिंग कम्पनी' के सदस्यों ने भी राज्यपाल से भेंट की। उन्होंने क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां नियमित रूप से रॉक क्लाइंबिंग जैसे खेलों का आयोजन किया जाता है। राज्यपाल ने अधिकारियों को ऐसे खेलों को निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन देने को कहा, ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिले और अधिक से अधिक युवा इन गतिविधियों की ओर आकर्षित हों।

महावीर नगर गुरुद्वारा में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

70 मरीजों की हुई जांच, डॉक्टरों ने दिया परामर्श और दवाएं

एलोपैथिक होम्योपैथिक दंत रोग एक्यूप्रेशर श्रवण चिकित्सा और पैथोलॉजी जांच की गई

रायपुर (विश्व परिवार)। महावीर नगर गुरुद्वारा परिसर में आज एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गय। सिक्खों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के गुरु पर्व की याद में यह शिविर आयोजित किया गया था। छत्तीसगढ़ से ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक जी.एस. बाम्बरा ने बताया कि चिकित्सा शिविर में एलोपैथिक, होम्योपैथिक, दंत रोग, श्रवण एवं वाणी विकार व एक्यूप्रेशर के विशेषज्ञों ने मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। शिविर में ब्लड प्रेशर मधुमेह की भी जांच की गई। शिविर में महावीर नगर क्षेत्र सहित आसपास के मोहल्लों के लगभग 70 निवासियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। जांच के उपरांत छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन की ओर से दवाई के लंगर का अंतर्गत डॉक्टर द्वारा सुझाई गई दवाएं, विटामिन व टॉनिक दिया गया।

चिकित्सा जांच शिविर में एसोसियेशन के मेडिकल कमेटी के प्रमुख और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कुलदीप छाबड़ा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर लक्ष्मी पिंजानी, होम्योपैथिक की डॉक्टर संध्या साहू, श्रवण एवं वाणी विकार विशेषज्ञ डॉक्टर सत्यम, एसोसियेशन के सदस्य और एक्युप्रेशर थैरेपिस्ट गुरदीप सिंह राज्यपाल ने मरीजों की जांच की, परामर्श और उपचार किया। वहीं पांचजन्य संतति विकास सेवा समिति छत्तीसगढ़ के रविश गुप्ता और सीपीएल लैब की हितेश्वरी साहू की प्रमुख भागीदारी रही।

यह शिविर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी महावीर नगर, छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन, छत्तीसगढ़ सिख समाज और छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। इसमें संगठन के सदस्य सिंगोत्रा, टीपीएस भाटिया प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

महिला कार्यकारिणी में यमुना और सुनिता निर्वाचित

कोरबा। जिला अधिवक्ता संघ कोरबा के आगामी चुनाव में अध्यक्ष, सचिव सहित लगभग सभी पदों मे मुख्य मुकाबला त्रिकोणीय संघर्ष में फंसता नजर आ रहा है। नाम वापसी के अंतिम क्षणों में महिला कार्यकारिणी के पद में लीना साहू के नामांकन वापस लेने के बाद महिला कार्यकारिणी के दो पदो में यमुना मानिकपुरी और सुनिता पिल्ले निर्वाचित हो गई है। नाम वापसी के बाद अध्यक्ष पद-गणेश कुलदीप, शिवनारायण सोनी, संजय जयसवाल, राकेश दुबे उपाध्यक्ष-रवि शर्मा, एस व्ही पुरोहित, बालकराम बरेठ, बद्री मोदी, दीपक दुबे, नफीस खान, महिला उपाध्यक्ष- उर्मिला भगत, सरिता पांडे, मंजुला पासवान, सचिव- सुनील यादव, रघुनंदन सिंह, चंद्रदीप शर्मा कोषाध्यक्ष-किरनभान शांडिल्य, अमर नाथकौशिक, पुरुषोत्तम गोयल, सह सचिव- रवि भगत, लक्ष्मण पटेल।

बस्तर राइडर्स मीट 2026 : रोमांच, संस्कृति और पर्यटन का अद्भुत संगम

रायपुर (विश्व परिवार)। देशभर के राइडर्स का जगदलपुर में जमावड़ा, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की पहल से बस्तर को मिली नई पहचान बस्तर की धरती एक बार फिर रोमांच, ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आई, जब बस्तर राइडर्स मीट 2026 का भव्य आयोजन गरुड़ा राइडर क्लब के तत्वावधान में किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए बाइकर्स और एडवेंचर प्रेमियों ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।इस आयोजन में बाइक स्टंट्स, राइडिंग शो और एडवेंचर एक्टिविटीज ने युवाओं में जबरदस्त उत्साह भर दिया। राइडर्स ने अपनी बेहतरीन स्किल्स का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

जहां एक ओर एडवेंचर का जोश था, वहीं दूसरी ओर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी पूरे शबाब पर दिखी। लोकनृत्य, संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। यह आयोजन आधुनिकता और परंपरा का बेहतरीन संगम बनकर उभरा।कार्यक्रम में उन प्रभावशाली व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने बस्तर की पहचान को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसमें इन्फ्लुएंसर्स, कलाकार, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।इस आयोजन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा होटल एम्बिशन में विशेष स्टॉल लगाया गया, जहां बस्तर के प्रमुख पर्यटन स्थलों, संस्कृति और स्थानीय उत्पादों की जानकारी दी गई।यह पहल राज्य सरकार की उस सोच को दर्शाती है, जिसके तहत स्थानीय पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार लगातार बस्तर जैसे आदिवासी अंचलों को विकास और पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। इस प्रकार के आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

ग्रीन आर्मी रायपुरा का सफाई अभियान - 7 सप्ताह पूर्ण, गदही तालाब से बदल रही क्षेत्र की तस्वीर

रायपुरा। ग्रीन आर्मी रायपुरा जोन द्वारा गदही तालाब में चलाया जा रहा निरंतर सफाई अभियान आज दिनांक 5 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक 7 सप्ताह पूर्ण कर चुका है। जिस स्थान पर पहले गंदगी, शराब की बोतलें, पाउच, पन्नी, पॉलीथिन, कंटीली झाड़ियां एवं कचरे का अंबार था, आज वही गदही तालाब क्षेत्र स्वच्छ, सुंदर और जनउपयोगी बन चुका है।

यह परिवर्तन केवल सफाई नहीं, बल्कि जागरूकता और सामूहिक प्रयास की शक्ति का उदाहरण है। आज यहां महिला एवं पुरुष सुबह-शाम मॉर्निंग वॉक, इवनिंग वॉक कर रहे हैं तथा परिवार के साथ सुरक्षित वातावरण में समय बिता रहे हैं। गदही तालाब की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है, जो पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और स्थानीय पारिस्थितिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को स्मार्ट सिटी के सहयोग से पुनः प्रारंभ कराया गया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और सुविधा दोनों बढ़ी है। जोन कमिश्नर को तालाब की समस्याओं से अवगत कराया गया है तथा स्वास्थ अधिकारी को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचित किया गया है। आगामी रविवार को गोताखोरों की मदद से तालाब के पानी की विशेष सफाई की जाएगी, जिससे जल की गुणवत्ता और बेहतर हो सके। ग्रीन सेंट्रल कोर कमिटी द्वारा समस्त कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है।

इस अभियान में सेंट्रल कोर कमिटी रायपुर, स्मार्ट सिटी टीम, डीडीयू नगर जोन एवं नगर निगम का सहयोग सराहनीय रहा है। स्थानीय पार्षद श्री महेंद्र औसर जी को भी क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया गया। महिला शक्ति, बच्चों एवं नागरिकों की सक्रिय भागीदारी इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है।

तालाब और सफाई का महत्व: गदही तालाब केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के पर्यावरण का आधार है। स्वच्छ तालाब भूजल स्तर बनाए रखते हैं, आसपास के वातावरण को शुद्ध करते हैं और जनजीवन को स्वस्थ बनाते हैं। गंदगी न केवल बीमारियों को बढ़ावा देती है, बल्कि प्राकृतिक संतुलन को भी बिगाड़ती है। इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह सफाई को अपनी जिम्मेदारी समझे और इसमें सहभागी बने।

पदाधिकारियों की प्रतिक्रिया (बाइट):अध्यक्ष श्री सुबोधकांत निषाद जी ने कहा, यह अभियान केवल सफाई नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता लाने का प्रयास है। जब तक हर नागरिक इसमें भाग नहीं लेगा, तब तक स्थायी बदलाव संभव नहीं है।

सचिव श्री मनीष शर्मा जी ने कहा, तालाब और पर्यावरण की रक्षा हमारी जिम्मेदारी है। सभी नागरिकों से अपील है कि आगे आकर इस अभियान का हिस्सा बनें। उपाध्यक्ष श्री मेघराज हरिनखेड़े जी ने कहा, जो बदलाव आज दिखाई दे रहा है, वह सामूहिक प्रयास का परिणाम है। आइए, हम सभी मिलकर इसे निरंतर बनाए रखें।ग्रीन आर्मी रायपुरा जोन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस जनहितकारी अभियान से जुड़ें और अपने क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

दुकान के सामने चल रहा था सट्टे का खेल, रंगे हाथ पकड़ा गया आरोपी

कबीरधाम। अवैध सट्टा गतिविधियों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है और इसी कड़ी में पिपरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मिरमिटी में एक युवक को सट्टा संचालित करते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया, जहां योगी ऑटो पार्ट्स दुकान के सामने खुलेआम चल रहे इस अवैध खेल का पुलिस ने भंडाफोड़ किया। पूरा मामला 03 अप्रैल 2026 का है जब कबीरधाम पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि एक युवक मौके पर बैठकर सट्टा पर्ची लिख रहा है और अवैध रूप से जुआ चला रहा है, सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (छवई) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल और अमित पटेल तथा डीएसपी आशीष शुक्ला के मार्गदर्शन में पिपरिया थाना टीम ने बिना देर किए घेराबंदी कर दबिश दी और मौके पर पहुंचते ही आरोपी को सट्टा लिखते रंगे हाथ दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरुण नाथ योगी, उम्र 23 वर्ष के रूप में हुई, जो मौके पर बैठकर लोगों से दांव लगवा रहा था, तलाशी के दौरान उसके पास से सट्टा पर्ची, नीली स्याही का डॉट पेन और नगद 750 रुपये बरामद किए गए, जो इस अवैध धंधे का सीधा सबूत बने। पुलिस ने पूरे मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 06 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है और उसे गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। कबीरधाम पुलिस ने साफसंदेश दिया है कि जिले में जुआ-सट्टा जैसे अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आम नागरिकों से अपील की है कि ऐसे मामलों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

मुख्यमंत्री साय करेंगे भाजपा प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कल 6 अप्रैल को प्रातः 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करेंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने बताया कि कल 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सभी जिलों में ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होंगे। भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में सुबह 10 जिला अध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर ध्वजारोहण करेंगे। साथ ही 6 अप्रैल को शाम 05 बजे एकात्म परिसर में कार्यकर्ता सम्मेलन रखा गया है। इस

अवैध खनन के मामले में जेसीबी सहित 5 वाहन जब्त

रायपुर (विश्व परिवार)। बेमेतरा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व एवं खनिज विभाग के संयुक्त दल द्वारा तहसील थान खमरिया अंतर्गत ग्राम कुरदा एवं जेवरा में अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त 1 जेसीबी मशीन, 2 हाईवा वाहन तथा ईंट से भरा 1 स्वराज माजदा वाहन जब्त किया गया। इन वाहनों को सुरक्षार्थ थाना थान खमरिया में रखा गया है।

इसके अतिरिक्त अवैध परिवहन के एक अन्य प्रकरण में रेत से भरा 1 हाईवा वाहन भी जब्त कर थाना बेरला में सुरक्षित रखा गया है, जिस पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि बीते दिनों भी प्रशासन द्वारा गिट्टी से भरी 2 हाईवा गाड़ियां जब्त कर थाना बेरला में खड़ी कराई गई थीं, जिन पर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा आम नागरिकों से भी ऐसी गतिविधियों की सूचना देने की अपील की गई है।

बांध और जलाशयों में पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद सरकार की अकर्मण्यता से अभूतपूर्व पेयजल संकट

रायपुर (विश्व परिवार)। पूरे प्रदेश में पेयजल की समस्या को लेकर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा की सरकार की अकर्मण्यता के चलते गर्मी शुरू होते ही लोग पेयजल के लिए भटकने मजबूर हैं, टैंकर मुक्त करने का दावा झूठा साबित हुआ, कई मोहल्लों में सुबह से शाम टैंकरों के इंतजार में ही बीतने लगा है। सभी घरों में पीने के साफ पानी पहुंचाने की योजना को 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में जल जीवन मिशन का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका था, लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद से दुर्भावना पूर्वक काम रोक दिया गया। अपने चहेतों को काम देने के लिए पूर्व में अप्रूव अनेकों निविदाएं निरस्त कर दिए, कई जिलों में काम पूरी तरह से बंद है और अब योजना का लक्ष्य बढ़ाकर 2028 तक कर दिया गया है। अब एक बार फिर भाजपा के डबल और ट्रिपल इंजन सरकार में टैंकरों के भरोसे लोग पेयजल के लिए आश्रित होने मजबूर हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पिछले सवा दो साल की सरकार के दौरान यदि ईमानदारी से काम किया गया होता तो यह परिस्थिति आज नहीं होती, हर घर तक स्वच्छ पेयजल आसानी से पहुंच रहा होता। इनकी मंशा टैंकरों में कमीशनखोरी की है न कि जनता को स्थाई राहत देने की। अनेकों ऐसे मामले उजागर हुए हैं जिनमें बिना जल स्रोत की उपलब्धता के केवल पानी की टंकी बनाकर पाइपलाइन बिछा दी गई है। करोड़ों का खर्च होने के बाद भी इसका लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार के फोकस में केवल कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि प्रदेश के लगभग सभी बड़े बांध और जलाशय भरे हुए हैं, पर्याप्त मात्रा में वहां पर पानी की उपलब्धता है, लेकिन सरकार की दुर्भावना और आक्रमान्यता के चलते अभी से ही पेयजल की संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में नल जल योजना के तहत जो सुविधाएं प्रारंभ हुई थी, भाजपा की सरकार उसे मेंटेन तक नहीं कर पा रही है। छोटे-छोटे मेंटेनेंस का काम तक यह सरकार नहीं कर पा रही है। वाल्व में लीकेज और वाटर लेवल नीचे चले जाने पर

तीरंदाज तोमन कुमार ने 3 गोल्ड मेडल प्राप्त

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रेस में विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वर्ड आर्चरी पैरा सीरीज बैंकॉक 2026 दिनांक 31 मार्च से 4 अप्रैल तक होने वाली प्रतियोगिता तीरंदाज तोमन कुमार ने 3 गोल्ड मेडल प्राप्त लिए है छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के सचिव आयुष मुरारका ने कहा कि 1पहला गोल्ड मिक्स टीम में2 दूसरा गोल्ड टीम इवेंट म3 तीसरा गोल्ड इंडियुज्नल में इस तरह छत्तीसगढ़ के तीरंदाज जो ष्टत्रक्कत्र जॉब में है, भारत के तरफ से तीन गोल्ड मेडल प्राप्त किए हैं एक वर्ड टूर्नामेंट और होनी है अगर उसमें टॉप 4में आ गए तो आने वाले टाइम में छत्तीसगढ़ का तीरंदाज ओलंपिक में खेलना तय हो जाएगा,इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के और पूरे खेल जगत सभी तोमन कुमार को बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बधाई दी है माननीय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष उन्होंने भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रेषित की

टूर द रायपुर ने ''सायकिल चलाने के प्रति जागरूकता'' को लेकर चलायी 1500 किलोमीटर सायकल

रायपुर (विश्व परिवार)। टूर द रायपुर जो कि रायपुर शहर का सबसे पुराना सायक्लिंग ग्रुप है, के साथी राईडर्स ने मिलकर रविवार को ''सायक्लिंग के प्रति जागरूकता'' को लेकर मिशन 1500 किलोमीटर सायकल चलाने का लक्ष्य लिया था, जो कि सदस्यों के जोश से यह मिशन राईड 1800 से ज्यादा किलोमीटर का हो गया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी सायक्लिंग क्लब के द्वारा 3 घंटे में लगभग 40 साथी राईडरों द्वारा एक साथ मिलकर 1500 कि.मी. की दूरी तय की । व्हीआईपी रोड स्थित राम मंदिर से सुबह 5.30 बजे यह रैली प्रारंभ हुई जिसमें लगभग 40 साइक्लिस्टों ने भाग लिया । उल्लेखनीय है कि इस रैली में हॉल ही में तवांग सायक्लिंग एक्सीपिडिशन से लौटे सुरेश दुआ जी का तालियों की गड़गड़ाहट से सम्मान भी किया गया, वे भी ग्रुप के सभी सदस्यो के साथ इस रैली में चले । नया रायपुर स्थित 'सेंध लेक' में सभी सदस्यों के फोटो इत्यादि उपरान्त उसी

रास्ते से वापस व्हीआईपी रोड, राम मंदिर में उक्त रैली का समापन किया गया। अन्त में टूर द रायपुर के संस्थापक सदस्य श्री शर्भेश शुभम, ललित जोबनपुत्रा और आलोक ने सभी साथी राईडर्स को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस तारतम्य में बतातें चले कि सबसे ज्यादा किलोमीटर चलाने वाले साथी राईडर्स सर्वश्री चिराग गोहिल 103 किमी, सुरेश दुआ 100 किमी, शर्भेष शुभम 100 किमी, डॉ मनोज 81 किमी, आईपी साहू 77 किमी, अमरजीत सिंह 66 किमी, इन्द्रसेन अग्रवाल 66 किमी, जैनेन्द्र जैन 63किमी, विवेक सान्याल 60किमी, मानव खुराना 60 किमी, नवीन रिझारिया 60किमी, के साथ साथ बाकी अनेक सदस्यों ने 50किमी से उपर की राइड की । उल्लेखनीय है कि इस मिशन 1500 किमी में महिला राइडर करिश्मा शर्मा ने 50 किमी और लिपी जैन 31 किमी राईड कर इस मिशन को सफल बनाने में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया ।

ठाईगिरी की खबर निकली फर्जी, युवक ने खुद को घायल कर रची थी साजिश

कोरबा। शहर में दिनदहाड़े 5 लाख रुपए की उठाईगिरी की खबर आखिरकार फर्जी साबित हुई है। मामले की जांच में चैंकाने वाला खुलासा हुआ है कि युवक ने खुद को ब्लेड से घायल कर झूठी कहानी गढ़ी और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक की पहचान 25 वर्षीय प्रियांशु देवांगन के रूप में हुई है, जो मूलतः जांजगीर-चांपा जिले का निवासी है और वर्तमान में कोरबा स्थित कृष्णा हुंडई में इंश्योरेंस विभाग में कार्यरत है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रियांशु ने अपनी ही कंपनी से करीब 4.50 लाख रुपए की ठगी की थी।बताया जा रहा है कि इस गड़बड़ी को छिपाने के लिए युवक ने उठाईगिरी की झूठी कहानी बनाई। उसने खुद को ब्लेड से चोट पहुंचाई और दिनदहाड़े लूट की घटना होने की सूचना पुलिस को दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पूरे शहर में नाकाबंदी कर सघन जांच शुरू कर दी थी।हालांकि जांच के दौरान पुलिस को युवक की कहानी पर संदेह हुआ, जिसके बाद कड़ाई से पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने सारा सच कबूल कर लिया। इस खुलासे के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली और मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने बताया कि युवक द्वारा झूठी रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस को गुमराह किया गया। साथ ही कंपनी के साथ आर्थिक धोखाधड़ी का मामला भी सामने आया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /29967/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 03-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29967
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L01757** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRAKASH CHAND TIWARI S/O NANDLAL TIWARI . NANDLAL TIWARI S/O LT.RAM DULARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAKASH CHAND TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. SHRI NANDLAL TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, सोमवार 06 मार्च 2026

सड़क किनारे गंभीर रूप से झुलसी मिली छात्रा की रायपुर इलाज के दौरान मौत हो गई

महिला बाल विकास मंत्री पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) बीते दिन शनिवार कोविश्रामपुर के आरटीआइ कालोनी और पासिंग नाला के बीच भटगांव मार्ग किनारे रामनगर ग्राम के 17 वर्षीय छात्रा बुरी तरह आग से झुलसी हुई बुरी हालत में मिली।

सुबह 8बजे जब आवाजाही करने वाले लोगों की नजर उस पड़ी, तो देखते ही देखते आसपास की ग्रामों में सनसनी फैल गई। तुरंत लोगों ने पुलिस की सूचना दें सूचना पर तत्काल पहुंचे थाना प्रभारी प्रकाश राठौड़ आम जनों की मदद से विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया , जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कालेज अंबिकापुर रेफर किया गया। लेकिन 95 प्रतिशत तक जल चुकी किशोरी की हालत अति गंभीर होने के कारण डाक्टरों ने उसे रायपुर रेफर कर दिया। घटना के बाद जब पुलिस ने घायल छात्रा से पूछताछ की, तो वह लड़खड़ाती आवाज में एक मोबाइल नंबर ही बता सकी। इसी नंबर के आधार पर पुलिस एक युवक तक पहुंची और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है साथ ही अन्य युवकों को भी धड़ पकड़ कर के गंभीरता से पूछताछ कर रही है। झुलसी छात्रा ग्राम रामनगर निवासी बताई जा रही है, जो एक मेघावी छात्र के रूप में उसकी छवि स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल में थी।

प्रारंभिक उपचार के बाद छात्रा को हायर सेंटर रेफर रायपुर भेजा गया था जहां उसने दम तोड़ दी - उसकी संबंध में उड़ती हुई चर्चा हो रही है कि उसकी परीक्षाएं भी चल रही हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि किशोरी और उसके गांव के ही युवक के बीच पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों के रिश्ते को लेकर पहले भी विवाद हो चुका था, यहां तक कि एक बार किशोरी के स्वजन ने युवक की पिटाई भी कर दी थी। चर्चा है कि छात्रा ने सूरजपुर से लोन पर करीब 17 हजार रुपये का मोबाइल खरीदा। दोनों ने मिलकर किस्त चुकाने की बात तय की थी, लेकिन किशोरी द्वारा किश्त नहीं चुकाने पर दो दिन पहले ही युवक ने मोबाइल अपने पास रख लिया। शुक्रवार रात किशोरी अपना मोबाइल लेने युवक के घर पहुंची और वहीं युवक से भुगतान न किए जाने पर मोबाइल भुगतान को लेकर हुआ विवाद हुआ। विवाद जैसे ही कई बातों को हवा मिल रही है जिस पर पुलिस विभिन्न बिंदुओं को एकत्रित कर इस हत्या की गुत्थी सुलझाने में थाना प्रभारी प्रकाश राठौड़ लगे हुए हैं उन्होंने उम्मीद जताई कि बहुत जल्द से जल्द मामले की गुत्थी सुलझा ली जाएगी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय गोयल पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाया - छात्र की झुलसी एवं गंभीर हालात से गुजरने के बाद उसकी दर्दनाक मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एवं अविभाजित सरगुजा एवं नवीन सूरजपुर जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अजय गोयल छात्र की हत्या हो या आत्म हत्या वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर से जल्द संज्ञान लेकर मामले की विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की । पुलिस अधीक्षक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर में मंत्री लक्ष्मी रजवाड़ों को पारदर्शिता के साथ जांच कर दोषियों को बहुत जल्द विरासत में लेने का आश्वासन दिया तथ विश्रामपुर पुलिस थाना प्रभारी प्रकाश ठाकुर को विभिन्न बिंदुओं पर जांच करने का निर्देश दिया उधर थाना प्रभारी प्रकाश ठाकुर अपनी पुलिस टीम के साथ मामला सुलझाने में जुट गए है। बहरहाल घटना को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। थाना प्रभारी प्रकाश राठौर के अनुसार मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। तकनीकी साक्ष्यों का भी सहारा लिया जा रहा है। तथ्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई बहुत जल्द होगी।

बूथ और पंचायत अध्यक्ष गठन पर बड़ी बैठक, नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले और ब्लॉक स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से बूथ एवं पंचायत अध्यक्षों के गठन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। छुरा स्थित राजमहल प्रांगण में हुई इस बैठक में संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि बूथ स्तर तक मजबूत संगठन ही पार्टी की असली ताकत है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तेजी से बूथ और पंचायत अध्यक्षों की नियुक्ति की जा रही है, ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय व प्रभावी बनाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान नव नियुक्त ब्लॉक पदाधिकारियों का सम्मान किया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने नए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें संगठन के प्रति निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष माहेश्वरी शाह सहित रमेश शर्मा, पन्ना लाल ध्रुव, प्रह्लाद यदु, मेघराम बघेल, नीरज ठाकुर, यशपेन्द्र शाह, हरीश यादव, समद खान, धनेश्वरी मरकाम, नीलकंठ ठाकुर, पुनाराद ठाकुर और सलीम मेमन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

मिशन 'गांव चलो': जमीनी सियासत में कांग्रेस की बड़ी दस्तक, संगठन विस्तार ने पकड़ी रफ्तार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर चलाए जा रहे मिशन गांव चलो अभियान ने अब जिले में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। गांव-गांव तक संगठन को मजबूत करने की इस मुहिम ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया है।

पूर्व पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ल के मार्गदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रूपेश साहू के नेतृत्व में बूथ और वार्ड स्तर पर संगठन विस्तार का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इसी कड़ी में राजिम विधानसभा क्षेत्र के भसेरा मंडल अंतर्गत परसौल सेक्टर में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में बूथ और पंचायत स्तर पर कमेटियों के गठन को लेकर गहन चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों, कार्यशैली और आगामी रणनीतियों से अवगत कराया गया, साथ ही जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में सुखचंद बेसरा, रूपेश साहू, भसेरा मंडल अध्यक्ष, जनपद सभापति डॉ. दिलीप साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और पार्टी की पहुंच हर गांव तक बढ़ाने का संकल्प लिया।

मिशन गांव चलो अभियान का मूल उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाना, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना और आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करना है।

जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि बैठक में कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी इस बात का संकेत है कि कांग्रेस अब गांव-गांव में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह अभियान आने वाले समय में जिले के राजनीतिक समीकरण बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

बैकवर्ड क्लास कोल वेलफेयर एसोसिएशन बिलासपुर जोन छत्तीसगढ़ का वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न

ब्यूरो सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) - एस.ई.सी.एल.बिलासपुर जोन छत्तीसगढ़ का बार्षिक सम्मेलन बिगत दिनों एस ई सी एल के गेवरा क्षेत्र मे आफिसर क्लब गेवरा मे सपन्न हुआ ।वार्षिक सम्मेलन की शुरूआत कार्यक्रम स्थल से 100मोटरसाइकिल एंव 30 कार के साथ जूलूस निकला जो पूरी गेवरा कालोनी का भ्रमण करते ओ.बी.सी.जिंदाबाद नारों के साथ गुंजायमान करते हुये वापस कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जहा पहले नाश्ता की व्यवस्था थी सभी लोगों ने नाश्ता किया तत्पश्चात कार्यक्रम मे पधारे

मुख्य अतिथि गुलाब सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष ओ.बी.सी. ऐसोसिएशन , कार्यक्रम के अध्यक्ष ताराचंद यादव ,विशिष्ट अतिथि मय जय बहादुर सिंह यादव ,अनिरुद्ध कुमार चंद्रा केंद्रीय अध्यक्ष ओ.बी.सी. बिलासपुर जोन ,केंद्रीय महासचिव मंगला सिंह यादव केंद्रीय कार्यवाहक

अध्यक्ष सीताराम साहू सभी अतिथिओ को एक एक करके स्टेज पर बैठाया गया उदपरान्त अम्बेडकर की फेटो पर अतिथिओ द्वारा पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमे मंचासीन सभी अतिथिओ का बैंच लगाकर पुष्प गुच्छ के साथ शाल श्रीफल से सम्मान किया गया तदुपरांत केंद्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण दिया गया उसके बाद एस.ई.सी.एल.के सभी क्षेत्रो से एक एक प्रतिनिधि का वक्तव्य देने मौका दिया है जिसमे सर्वप्रथम कम्पनी मुख्यालय बिलासपुर से महामंत्री संजय कुमार साहू ,गेवरा से दीपक राठौर अध्यक्ष, दिपिका से मो.अजीजी अध्यक्ष, कुसमुंडा क्षेत्र से मुकेश कुमार साहू, कोरबा क्षेत्र से बाबू लाल द्य केंद्रीय कर्मशाला कोरबा से मोहन दास रायगढ़ से डमरू कुमार चंद्रा ,भटगांव क्षेत्र से अशोक सिंह ।चिरमिरी क्षेत्र से बी.एल विश्वकर्मा हसदेव क्षेत्र से सुदामा यादव ,सोहागपुर क्षेत्र से अजय कुमार यादव ,जोहिला से शिवानन्द पटेल ,जमूना कोतमा से हरिवंश पटेल केंद्रीय समिति से दिलीप मंडल ।रायगढ़ से पधारे गुप्ता जी ,इसी बीच एच.एम.एस.फेडरेशन के अध्यक्ष रेशम लाल यादव पधारे फिर सीटू के सचिव अजय शर्मा, फिर मो तनवीर अहमद पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेसकमेटी कोरबा इन सभी अतिथिओ का शाल श्रीफल पुष्प गुच्छ एंव स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया ।तत्पश्चात मंचासिन अतिथिओ का वक्तव्य चालू हुआ जिसमे रमाशंकर यादव प्रभारी भटगांव क्षेत्र ,बैकुंठपुरक्षेत्र चिरमिरी क्षेत्र ने । रमाशंकर यादव भटगांव ,ओ.बी.सी.प्रभारी रमाशंकर ने कहा ओ.बी.सी.समाज को संगठित होने का समय आ गया अब हम सब एकत्रित होकर समाज को समाज को नही दिशा देगे उसके केंद्रीय महासचिव मंगला सिंह यादव ने ऐसोसिएशन का साल भर के कार्यक्रम, दौरा,सदस्यता, और साल भर के खर्चे से अवगत कराया अपने इस ऐसोसिएशन का सालभर प्रतिवेदन प्रस्तुत किये । तत्प्रशचात ओ.बी.सी.ऐसोसिएशन के राष्ट्रीय महा सचिव श्री जय बहादुर सिंह यादव ने अपने उदभोषण मे ओ.बी.सी.समाज

के उत्थान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि अब हमे समय आ गया कि ओ.बी.सी.ऐसोसिएशन का सदस्य बनकर अपने हक की लड़ाई इस ऐसोसियेशन के झंडे के रहकर लड़ी जा सकती है उन्होंने कहा कि ओ.बी.सी.ऐसोसिएशन अब असंगठित क्षेत्र मे मजदूरों की लड़ाई लड़ने के लिये जिला ,ब्लॉक लेबल पर कमेटी गठन की जायेगी जो समाज के अति पिछड़ा को आगे लायेगी एंव कोयला क्षेत्र मे सभी क्षेत्रो मे एक 5 लोगो की परामर्शदाती समिति बनाई जायेगी जो क्षेत्रीय कमेटी के कामकाज का निरीक्षण करेगी तत्प्रश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलाब सिंह ने कहा कि जब हम लोग ओ.बी.सी.संगठन बना रहे थे तो सोचे हम सफल होगे कि नही लेकिन गठन के बाद जो लोगों का लगाव मिला उससे दिल को बहुत खुशी मिली उसके बाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एस.ई.सी.एल.के प्रभारी ताराचंद यादव ने कहा कि आज का ये सफल आयोजन इस बात की पुष्टि करता है कि एस.ई.सी.एल.मे ऐसोसिएशन अनिरुद्ध कुमार चंद्रा और मंगला सिंह यादव के नेतृत्व मे अच्छा काम कर रहा है साथ जिस क्षेत्र मे कार्यालय नही मिला वहा के अध्यक्ष सचिव दो ती बार पत्र लिखे प्रबंधक से मिले उसके बाद भी काम नही होता है तो हम लोग केंद्रीय कमेटी के लोग आकर दबाव बनाकर उस क्षेत्र के सभी कामो को करवायेंगे उसके बाद गेवरा क्षेत्र के सभी स्कूलों मे ओ.बी.सी.वर्ग के जो बच्चे अच्छा नंबर लाये थे उनको मंच पर शाल और स्मृति चिन्ह से मुख्य अतिथिओ द्वारा सम्मानित किया गया अभार पर्दशन ओ.बी.सी.ऐसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार चंद्रा के द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने मे गेवरा क्षेत्र की इकाइयों के पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा । मंच का संचालन दिपिका क्षेत्र के महामंत्री अशोक यादव के द्वारा किया गया

संक्षिप्त समाचार

दूरस्थ गांवों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाकर बदलाव ला रही हैं रिंगो कश्यप

कोण्डागांव। मर्दापाल तहसील के अंतर्गत जिले के अंतिम छोर पर स्थित सुदूर ग्राम कुधुर, जो कभी माओवाद के प्रभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर था, आज परिवर्तन की नई कहानी लिख रहा है। जहां कभी ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की राशि निकालने के लिए लगभग 20 किलोमीटर दूर मर्दापाल के बैंक तक जाना पड़ता था, वहीं अब गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। यह परिवर्तन संभव हुआ है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल और बीसी सखी के रूप में कार्यरत रिंगो कश्यप के प्रयासों से। ग्राम पंचायत कुधुर के गुमियापाल पारा की निवासी रिंगो कश्यप न केवल कुधुर, बल्कि तुमड़ीवाल और टेकापाल के ग्रामीणों को भी घर-घर बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं। रिंगो कश्यप ने वर्ष 2020 में मां पार्वती स्व सहायता समूह से जुड़कर अपनी यात्रा शुरू की। इसके बाद वर्ष 2024 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने बीसी सखी के रूप में कार्य प्रारंभ किया। आज उनके माध्यम से ग्रामीणों को महतारी वंदन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न शासकीय योजनाओं की राशि गांव में ही आसानी से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही बिजली बिल भुगतान और अन्य वित्तीय लेनदेन भी सरल हो गए हैं। अब तक रिंगो कश्यप द्वारा 355 से अधिक सफल लेनदेन किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 6 लाख 75 हजार रुपये से अधिक है। इस कार्य ने न केवल ग्रामीणों की समस्याओं को कम किया है, बल्कि रिंगो कश्यप के लिए भी स्व-रोजगार का सशक्त माध्यम बना है। उन्होंने स्व-सहायता समूह से ऋण लेकर एक छोटा किराना दुकान भी शुरू किया है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये की आय हो रही है, और भविष्य में वे अपने व्यवसाय को और विस्तार देना चाहती हैं। रिंगो कश्यप जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से दूरस्थ क्षेत्रों में विकास को नई दिशा मिल रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी स्थापित कर रही हैं।

माओवाद के अंत के साथ बस्तर क्षेत्र में अब विकास को मिलेगी नई दिशा

कोंडागांव। वन मंत्री केदार कश्यप शनिवार को जिले के सुदूर अंचल स्थित ग्राम केजंग पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उत्साह के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर वन मंत्री ने क्षेत्रवासियों को लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए के 11 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों में सड़क, भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री कश्यप कहा ने कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार आम नागरिकों के हित में क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पूर्व में माओवाद से प्रभावित रहा है, किन्तु पूरा छत्तीसगढ़ माओवाद के प्रभाव से मुक्त हो गया है और अब बस्तर संभाग भयमुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ेगा और अधिक समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार मिलेगा। भूमिपूजन किए गए कार्यों में ग्राम पंचायत कुधूर में 1 किमी मुरमीकरण कार्य (मांझानार से साहूपारा प्रतीक घर तक) लागत 19 लाख रुपए, तरईपारा से पंडेला घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत कोरमेल के पटेलपारा में सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत जोडेंगा में सांस्कृतिक भवन से कमलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पदनार में प्राथमिक शाला भवन से समलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पुसपाल में नीचेपारा में कुलधर घर से सुधीर यादव घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मड़ागांव में सांस्कृतिक भवन से पीलाराम घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत केजंग में घोटुल गुड़ी के पास शेड निर्माण लागत 6 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मडानार में स्कूल मुख्य द्वार से पेदेबाई घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए एवं प्राथमिक शाला में शौचालय निर्माण लागत 5 लाख रुपए तथा ग्राम पंचायत बेतबेड़ा में मुख्य मार्ग से ढोलमांदरी सन्नू घर तक मार्ग मुरमीकरण 15 लाख रुपए का कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, कोण्डागांव एसडीएम अजय उरांव, तहसीलदार मनोज रावटे, जनपद सीईओ उत्तम महोबिया एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, सोमवार 06 मार्च 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

अनाज से ज्यादा अहम और क्या

भारत अपनी 30 फीसदी उर्वरक जरूरत के लिए आयात पर निर्भर है। मगर, कई उर्वरक जो देश में बनते हैं, उनकी इनपुट सामग्रियों पर ध्यान दें, ये तो निर्भरता 70 फीसदी तक बढ़ जाती है। क्या ये स्वस्थ स्थिति है? अभी पिछले साल ही अमेरिका से व्यापार युद्ध के सिलसिले में जब चीन ने उर्वरकों का निर्यात रोका, तो उससे भारत भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ था। उसके पहले 2022 में रूस- यूक्रेन की लड़ाई शुरू हुई, तब भी भारत को उर्वरक आपूर्ति की समस्या से जूझना पड़ा था। अब पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उससे भी बड़ी समस्या खड़ी होती दिख रही है। युद्ध के लंबा खिंचने के साथ देश में उर्वरकों की उपलब्धता की चिंता हर दिन अधिक गहराती जा रही है। ध्यान देने की बात है कि उर्वरकों का संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से है। किसी भी देश की सर्वोच्च प्राथमिकता खाद्य के मामले में आत्म-निर्भरता होनी चाहिए। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज खेती-बाड़ी से जुड़ी अनिवार्य चीजों के मामले में भी भारत दूसरे देशों पर निर्भर बना हुआ है। मोटे आंकड़ों के मुताबिक भारत अपनी 30 फीसदी उर्वरक जरूरत के लिए आयात पर निर्भर है। मगर, कई उर्वरक जो देश में बनते हैं, उनकी इनपुट सामग्रियों पर ध्यान दिया जाए, ये तो निर्भरता 70 फीसदी तक बढ़ जाती है। क्या ये स्वस्थ स्थिति है? पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक इस मामले में भारत सबसे ज्यादा निर्भर रूस (18.1 प्रतिशत), सऊदी अरब (15.7), चीन (15) और मोरक्को (14.8 प्रतिशत) पर था। जॉर्डन, ओमान, कतर, यूएई और मिस्र अन्य देश हैं, जिनसे भारत उर्वरक के इनपुट आयात करता है। फिलहाल पश्चिम एशिया वाले तमाम देशों से आयात कठिन हो गया है। वहां जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन सामग्रियों की कीमत में भी भारी उछाल आया है। इसका बोझ सरकारी खजाने पर पड़ेगा। पिछले साल केंद्र ने उर्वरक सब्सिडी के तौर पर 1.87 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस वर्ष इस मद में 1.71 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं। जाहिर है, वास्तविक खर्च इससे काफी ज्यादा होगा। बहरहाल, मामला सिर्फ सब्सिडी बजट का नहीं है। मुद्दा है कि इस बारे में दीर्घकालिक योजना क्यों नहीं बनाई जाती? क्यों नहीं इनपुट के स्रोतों का विस्तार कर उर्वरक उत्पादन का कार्य अपने देश में किया जाता? आखिर अनाज से ज्यादा अहम और क्या है?

जैन धर्म-समन्वय है,परंतु विलय नहीं

(अल्पसंख्यक दर्ज़े पर उठते प्रश्न और जैन समाज की स्वतंत्र पहचान)

-डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय जैन प्रतिनिधि

भारत की सांस्कृतिक परंपरा का सबसे बड़ा गुण उसकी विविधता और सहअस्तित्व की भावना है । यहाँ अनेक धार्मिक धाराएँ, संप्रदाय और दार्शनिक परंपराएँ हजारों वर्षों से साथ-साथ विकसित हुई हैं। इसी बहुलतावादी परंपरा ने भारतीय समाज को एक अनोखी पहचान दी है । जैन धर्म भी इसी प्राचीन भारतीय आध्यात्मिक धारा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट परंपरा है । किंतु समय-समय पर यह प्रश्न उठाया जाता रहा है कि जैन धर्म की स्वतंत्र पहचान क्या वास्तव में अलग है या वह केवल हिंदू धर्म की एक शाखा भर है । हाल के वर्षों में यह बहस फिर से सामने आई है, विशेषकर तब, जब कुछ राजनीतिक व्यक्तित्व जैन समाज के अल्पसंख्यक दर्ज़े पर पुनर्विचार की बात कर रहे हैं और व्यर्थ की बयानबाजी कर रहे हैं ।

यह स्मरण रखना आवश्यक है कि जैन समाज को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक का दर्ज़ा वर्ष 2014 में प्रदान किया गया था । यह निर्णय किसी आकस्मिक राजनीतिक घोषणा का परिणाम नहीं था, बल्कि लंबे समय से चली आ रही संवैधानिक और वैचारिक बहसों का निष्कर्ष था । जैन समुदाय की जनसंख्या भारत की कुल आबादी का लगभग 0.4 प्रतिशत है, जो कि देश के अनेक अन्य समुदायों की तुलना में अत्यंत कम है । इस दृष्टि से जैन समाज वस्तुत: एक अल्पसंख्यक समुदाय है । अत: यह निर्णय किसी विशेष सुविधा देने का नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक विसंगति को सुधारने का प्रयास था ।

जब यह निर्णय घोषित हुआ, तब समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं। जैन समाज में प्रसन्नता का वातावरण था, क्योंकि लंबे समय से चली आ रही एक मांग पूरी हुई थी। दूसरी ओर कुछ लोगों ने आशंका व्यक्त की, कि इससे समाज में विभाजन की भावना उत्पन्न होगी । कुछ लोगों ने यह भी प्रश्न उठाया कि जैन तो हिंदू समाज का ही हिस्सा हैं, फिर उन्हें अलग अल्पसंख्यक दर्ज़ा देने की आवश्यकता क्यों पड़ी ?दरअसल इन प्रश्नों के पीछे एक मूलभूत भ्रम छिपा हुआ है—अल्पसंख्यक शब्द का अर्थ क्या है ? भारत में अल्पसंख्यक का अर्थ किसी धर्म से अलगाव या राष्ट्र से दूरी नहीं है । बौद्ध, सिख, ईसाई और पारसी समुदाय भी भारत में अल्पसंख्यक हैं, लेकिन इससे उनकी भारतीयता या सांस्कृतिक पहचान पर कोई आंच नहीं आती । उसी प्रकार जैन समाज का अल्पसंख्यक दर्ज़ा भी केवल यह स्वीकार करता है कि उसकी अपनी स्वतंत्र धार्मिक परंपरा और पहचान है ।

जैन धर्म की विशेषता उसके गहरे और विशिष्ट दर्शन में निहित है। अहिंसा, अनेकांतवाद, अपरिग्रह और आत्मशुद्धि की साधना उसके मूल स्तंभ हैं । चौबीस तीर्थंकरों की परंपरा, जैन आगम साहित्य, साधु-संघ की कठोर अनुशासन व्यवस्था और मोक्षमार्ग की विशिष्ट अवधारणा जैन धर्म को भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं में एक अलग स्थान प्रदान करती है । यह केवल एक सांस्कृतिक धारा नहीं बल्कि एक पूर्ण विकसित धार्मिक और दार्शनिक परंपरा है ।

निस्संदेह जैन धर्म और हिंदू समाज के बीच सांस्कृतिक निकटता रही है। अनेक सामाजिक परंपराएँ, त्योहार और जीवन-मूल्य दोनों समुदायों में समान दिखाई देते हैंन। किंतु सांस्कृतिक समानता का अर्थ धार्मिक विलय नहीं होता। भारत की सभ्यता का स्वभाव ही ऐसा रहा है कि यहाँ विभिन्न धार्मिक धाराएँ एक-दूसरे के साथ संवाद करती रही हैं और एक-दूसरे से प्रेरणा भी लेती रही हैं ।

वास्तव में हिंदू शब्द कई बार एक व्यापक सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक होता है, जिसमें भारत में उत्पन्न अनेक धार्मिक परंपराएँ सम्मिलित हैं। इस दृष्टि से जैन, बौद्ध और सिख परंपराएँ भी भारतीय संस्कृति की धारा से जुड़ी हुई हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उनकी स्वतंत्र धार्मिक पहचान समाप्त हो जाती है या उन्हें किसी एक धर्म की शाखा मान लिया जाए । आज जो लोग यह कहते हैं कि जैन धर्म को अलग अल्पसंख्यक दर्ज़ा देने की आवश्यकता नहीं है, उन्हें यह भी समझना चाहिए कि अल्पसंख्यक दर्ज़ा केवल आर्थिक लाभ का विषय नहीं है । भारतीय संविधान में अल्पसंख्यकों को जो अधिकार दिए गए हैं, उनका मुख्य उद्देश्य उनकी भाषा, संस्कृति और शिक्षण संस्थाओं का संरक्षण करना है। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई ताकि छोटे समुदाय भी अपनी परंपराओं और धरोहरों को सुरक्षित रख सकें ।

कभी-कभी यह तर्क भी दिया जाता है कि जैन समाज आर्थिक रूप से समृद्ध है, इसलिए उसे किसी संरक्षण की आवश्यकता नहीं है । यह भी एक सामान्यीकृत धारणा है । समाज का एक छोटा हिस्सा भले ही आर्थिक रूप से संपन्न हो, किंतु पूरे समुदाय को उसी कसौटी पर नहीं आँका जा सकता। इसके अतिरिक्त किसी समुदाय की आर्थिक स्थिति उसके धार्मिक अधिकारों का आधार नहीं होती ।

जैन समाज की पहचान उसके नैतिक मूल्यों से बनती है। अहिंसा, संयम, सादगी और शिक्षा के प्रति गहरा आग्रह जैन जीवन का मूल आधार है । यही कारण है कि जैन समाज ने व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है । लेकिन इन उपलब्धियों के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ी है—अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के प्रति सजग रहना ।

यहाँ एक महत्वपूर्ण बात समझने की आवश्यकता है—समन्वय और विलय में मूलभूत अंतर होता है । जैन धर्म ने सदैव समन्वय की भावना को अपनाया है । अनेकांतवाद का सिद्धांत ही यह सिखाता है कि सत्य को अनेक दृष्टियों से समझा जा सकता है । इसलिए जैन समाज ने कभी किसी अन्य धर्म या संस्कृति से संघर्ष का मार्ग नहीं अपनाया ।

परंतु समन्वय का अर्थ अपनी स्वतंत्र पहचान को समाप्त कर देना नहीं है । यदि किसी समुदाय की विशिष्ट धार्मिक पहचान ही धीरे-धीरे विलुप्त होने लगे, तो उसकी परंपराएँ और दार्शनिक विरासत भी कमजोर पड़ सकती हैं ।

भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित है । यहाँ अनेक धार्मिक परंपराएँ मिलकर एक विशाल सांस्कृतिक वृक्ष का निर्माण करती हैं । इस वृक्ष की प्रत्येक शाखा का अपना महत्व है। यदि किसी शाखा को यह कहकर समाप्त कर दिया जाए कि वह उसी वृक्ष का हिस्सा है, तो इससे उस वृक्ष की समृद्धि ही घटेगी । अत: आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय समाज विविधता के इस मूल सिद्धांत को समझे । जैन धर्म भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग अवश्य है, किंतु वह अपनी स्वतंत्र धार्मिक पहचान और दर्शन के साथ अस्तित्व में है । इस स्वतंत्रता का सम्मान करना ही भारतीय लोकतंत्र और सांस्कृतिक परंपरा की सच्ची भावना है । समन्वय भारतीयता की शक्ति है, लेकिन विलय उसकी कमजोरी बन सकता है । इसलिए जैन समाज के लिए भी और व्यापक भारतीय समाज के लिए भी यही उचित होगा कि सहयोग, सम्मान और संवाद की भावना के साथ प्रत्येक धार्मिक परंपरा की स्वतंत्र पहचान को सुरक्षित रखा जाए । यही भारत की बहुलतावादी आत्मा का वास्तविक सम्मान होगा र।

आलेख

इस्त्रायल- अमेरिका बनाम ईरानः होर्मुज की किरकिरी और ट्रंप का पसोपेश

डॉ. सुधीर सक्सेना

ऐसा लगता है कि सब कुछ जेम्स हेडली चेज के उपन्यास के शीर्षक की तर्ज पर हुआ और डोनाल्ड ट्रंप और बेन्जामिन नेतन्याहू की जुगल-जोड़ी के साथ %आ-बला, पकड़ गला% की उक्ति चरितार्थ हो गयी। एक माह बीत चुका है, लेकिन वर्षों से पाबंदियां झेल रहे ईरान के कस बल ढीले नहीं पड़ रहे हैं। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी कर रखी है और इस्त्राइल के फौजी और नागरिक ठिकानों पर रोजाना दस बैलिस्टिक मिसाइलें दाग रहा है। एक अप्रैल को बेत शेमेश पर उसके प्रहार से नौजने ठौर मारे गये और तिफरेत का सीनेगाग नष्ट हो गया। इस बीच इस्त्राइल की परेशानी इस नाते बढ़ गई है कि 28 मार्च से हूती लड़ाके भी जंग में शामिल हो गये है। हूतियों के दक्षिण इस्त्राइल में हमलों का स्रोत यमन है, लेकिन उस पर इराक और लेबनान के रास्ते भी आक्रमण शुरू हो गये हैं। गौरतलब है कि इस्त्रायल का दक्षिण लेबनान पर कब्जा उसकी ग्रेटर इस्त्रायल मुहीम का हिस्सा है, किंतु संसाधनों की न्यूनता के चलते अनेक मोर्चों का खुलना उसके लिये घातक और और विनाशकारी है। इस्त्रायल पर इराक और लेबनान की ओर से हमले तथा %थ्री एच%- हमस, हूतो और हिजबुल्लाह की साझा सक्रियता बीबी (नेतन्याहू) की पेशानी पर सलों के लिये पर्याप्त है। तेल अवीव, हैफा और येरुशलम पर लगातार द्रोन और मिसाइलें दाग कर ईरान ने आयरन डोम का मिथ ध्वस्त कर दिया है और संख्याबल के आधार पर वह इस्त्रायल को देर तक छकाने के मूड में है। 35 दिनों से जारी ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के फलस्वरूप सबसे बुरी गत ट्रंप की बनी है। अब साफ हो गया है कि उन्होंने ईरान पर हमला %बीबी% के उकसावे पर खब्त में आकर किया। मिशन की सबसे बड़ी विफलता यह रही कि पहले ही दिन अयातुल्लाह खामेनेई के हलाक होने के बावजूद ईरान में कोई %कू-दे-ता% (तख्तापलट) नहीं हुआ। अयातुल्लाह के उत्तराधिकारी मोज्तबा मस्क्रा में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं और उनकी ट्रंप को नसीहत ने सारे विश्व का ध्यान आकृष्ट किया है। ट्रंप की दुनिया भर में भद्द पिटी है और 80 वर्षीय सनकी राष्ट्रपति के खिलाफ अमेरिकी शहरों में 80 लाख से अधिक लोगों ने प्रदर्शन किया। उनके खिलाफ कांग्रेस में अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात भी चल रही है। उनकी भतीजी की मुखालफत के बाद अब सिनेटर लिंडसे ग्राहम जैसे उनके समर्थक जो कल तक फिल्लिया फड़काने और खरग पर कब्जे की दंभोक्ति कर रहे थे, अब युद्धपोतों से पाल उतारने की बात कर रहे हैं। अमेरिका अब तक जंग पर 36 बिलियन डॉलर फूंक चुका है। नतीजा ढाक के तीन पात। अनेक अमेरिकी मेरिनर ईरान के हत्थे लग गये हैं और 31 मार्च को अमेरिकी युद्ध संवाददाता सुश्री शैली पिट्टसन का बगदाद में अपहरण कर लिया गया। उसके बाद से शैली का कोई अता-पता नहीं है। अमेरिका-इस्त्राइल बनाम ईरान जंग को लेकर भविष्यवाणी नामुमकिन इसलिये है, क्योंकि कोई नहीं जानता कि ट्रंप कब क्या कर बैठेंगे? ईरान की शिकस्त और रेजीम चेंज के माम?ले में हाथ मल रहे ट्रंप अब होर्मुज जलडमरूमध्य के मुद्दे को भी भुलाने को तैयार है और चाहते हैं कि इस मुद्दे को क्षेत्रीय व योरोपीय शक्तियां सुलझायें। उनके शब्दों पर गौर करें। वह कहते हैं= %द वार इज गोइंग ग्रेट एंड कमिंग टू ऐन एण्डा% मुमकिन है कि परमाणु हमला भी उनके दिमाग में हो, लेकिन पैट्रि?याटिक विजन के यूएनओ में प्रतिनिधि मोहम्मद सफा के इस्तीफे से इस साजिश का भांडा फूट गया है। जंग का सबसे बड़ा असर है कि अमेरिका पोषित नाटो ने अमेरिका को धता बता दी है। उसके अनन्य सहयोगी ब्रिटेन के कीर स्टार्मर ने सहयोग से साफ इंकार कर दिया दिया है और फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड, इटली स्पेन आदि भी उसी रास्ते पर हैं। जर्मनी में तो सारे अमेरिकी फौजियों और साजो सामान की वापसी की मांग उठ? रही है। जंग से अमीर-उमराव दुबई और मध्यपूर्व में इंवेस्टमेंट से मुँह फेर लेंगे। ईरान की रणनीति कि उसने अमेरिका के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट करियर अब्राहम लिंकन को दूर खदेड़ दिया है और सबसे ताजा खबर है कि तेल अवीव ने मध्यस्थता के लिये बीजिंग से संपर्क साधा है। यकीनन सामरिक और ऊर्जा के मान से दुनिया नये समीकरणों की देहरी पर है।

माओवादी आतंक का खात्मा : अर्बन नक्सलियों पर अमित शाह का प्रहार !

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

देश नक्सलवाद-माओवाद के आतंक से मुक्त हो गया। माओवादी आतंक से मुक्ति एक बड़ी विजय के रूप में देखी जानी चाहिए। ये विजय दृढ़ संकल्प, दृढ़ इच्छाशक्ति और ध्येय निष्ठा की है। 1970 के दशक से चले आ रहे खूनी आतंक, हथियारबंद माओवादियों का तय समय पर खात्मा सुनिश्चित हुआ। लेकिन जितना कह देना आसान है । उतना आसान नहीं था इस माओवादी आतंक का समूलनाश कर देना। इसके लिए केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की स्पष्टता और ज़ीरो टॉलरेंस की नीति है। इस अभियान की सफलता के नायक वो सुरक्षाबल हैं। जो अपने प्राण हथेली पर रखकर — माओवादियों के अभेद्य कहे जाने वाले ठिकानों तक पहुंचे। पूरे नक्सल माड्यूल का खात्मा किया। सरकार की 'पहले बोली फिर गोली' वाली नीति अत्यंत कारगर सिद्ध हुई। साथ ही सरेंडर करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति महत्वपूर्ण मानवीय पहलू है। जो उन्हें गरिमापूर्ण जीवन देती है। सत्य ये है कि माओवादी आतंक का सबसे बड़ा दंश अगर किसी ने झेला तो वो छत्तीसगढ़ रहा। लेकिन 31 मार्च 2026 की तारीख़ — नक्सलवाद के खात्मे के तौर पर दर्ज हो गई। छत्तीसगढ़ का बस्तर जहां कभी गोलियां और निर्दोषों की चीखें गूंजती थीं। अब वहां शांति, प्रगति और लोकतंत्र की नई किरणें चमकती हुई दिखाई दे रही हैं।छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के समाप्त होने में केंद्र सरकार, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका है। डबल इंजन की सरकार के क्रांतिकारी निर्णयों के चलते ही माओवादी आतंक के ताबूत में अंतिम कील ठोंकी जा सकी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 30 मार्च2026 को लोकसभा में नक्सल उन्मूलन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की ओर ध्यानाकर्षित किया। उन तमाम आरोपों के सिलसिलेवार तरीके से जवाब दिए। जो माओवादियों के रहनुमाओं द्वारा लगाए जाते हैं। साथ ही गृहमंत्री शाह ने ऐसे-ऐसे तथ्य देश के सामने रखे। जो हर किसी को जानना चाहिए।शाह के मुताबिक — साल 2024, 2025 और 2026 का संयुक्त आंकड़ा इस प्रकार है — 4,839 नक्सलियों ने सरेंडर किया, 2,218 जेल गए और 706 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया, जो दूसरों को बंधक बनाकर सरेंडर होने ही नहीं देते थे। यही शासन का अप्रोच होना चाहिए, जो वार्ता करना चाहता है, उसके साथ संवाद; और जो हमारे जवानों, किसानों, आदिवासियों और बच्चों पर गोली चलाता है, उसका जवाब गोली से देना चाहिए। यही शासन का नियम और यही शासन का मुद्दा है।

वैसे हथियारबंद नक्सलवाद तो ख़त्म हो गया और जहां भी पनपता दिखाई देगा, सुरक्षाबल वहीं ठिकाने लगा देंगे। लेकिन 'अर्बन नक्सल' का ख़तरा अब भी मौजूद है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 30 मार्च 2026 को जिन तथ्यों की ओर ध्यान दिलाया। उन पर चर्चा करना अत्यन्त आवश्यक है। वस्तुत: अर्बन नक्सल और हथियार बंद नक्सलियों में कोई विशेष अंतर नहीं है। अंतर सिर्फ़ इतना है कि—हथियारबंद माओवादी — हथियार से लोगों की हत्या करते थे। अर्बन नक्सली — अपने एसी केबिनों, यूनिवर्सिटीज, एनजीओ, एक्टिविस्ट, कलम घिस्सू, चीखती-चिल्लाती आवाज़ों, नाटक मंडलियों, किताबों की शक्ल में — रक्तपात का प्रोपेगैंडा फैलाते हैं। रक्तपात के लिए हथियारबंद माओवादियों को तैयार करते हैं। जब हथियार बंद माओवादी कमजोर पड़ते हैं, तो अर्बन नक्सली मदद भेजते हैं। जब अर्बन नक्सली कमज़ोर

पड़ते हैं तो हथियार बंद माओवादी मदद के लिए आगे आते हैं। ये सिलसिला 70 के दशक से चलता आ रहा है। देश से हथियारबंद नक्सलवाद के ख़त्म होने के बाद अर्बन नक्सली नई रणनीति पर जुट गए होंगे। ऐसे में उस पूरे माड्यूल को समझना और तथ्यों को सार्वजनिक प्रकाश में लाना समय की मांग है।

अर्बन नक्सली कैसे काम करते हैं? उसे ऐसे समझें कि — जब से मोदी सरकार ने नक्सलवाद को ख़त्म करने की 31 मार्च 2026 की डेडलाइन दे दी थी। उसके बाद से लगातार —माओवादी आतंकियों के पक्ष में नैरेटिव तैयार किया जा रहा था। माओवादियों के ख़िलाफ़ की जाने वाली कार्रवाइयों को ग़लत बताया जा रहा था। बातचीत न करने के आरोप लगाए जा रहे थे।

ऐसे में गृहमंत्री अमित शाह सदन में जब चर्चा करने आए तो वो फैक्टशीट के साथ आए। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा —मैंने छह दिनों में 'अर्बन नक्सलस' के लगभग 2,000 आर्टिकल निकाले हैं, सभी इनके समर्थक बुद्धिजीवियों के लिखे हुए। इनके सारे आर्टिकल यही कहते हैं कि हथियार उठाकर घूम रहे माओवादियों के साथ चर्चा करो, ये अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, इन्हें मारना नहीं चाहिए, उनके प्रति सहानुभूति होनी चाहिए। लेकिन कोई भी आर्टिकल, 8 साल के अबोध बच्चे के लिए नहीं है, जिसे उठाकर हथियार पकड़ा दिया गया। कोई भी आर्टिकल उस किसान के लिए नहीं है, जिसका पैर खेत में जाते हुए उड़ गया और जो आज जीवनभर दिव्यांग है। 5,000 से ज़्यादा सिक्योरिटी फेर्सेस शहीद हुए, उनकी विधवाओं के लिए एक भी आर्टिकल नहीं है, उनके अनाथ बच्चों के लिए कोई लेख नहीं है। उनकी मानवता केवल संविधान तोड़कर हथियार उठाने वालों के लिए है?

बात केवल इतनी ही नहीं है।जब साल 2005 में माओवादी आतंक के ख़िलाफ़ जन आंदोलन खड़ा हुआ। बस्तर टाइगर के नाम से सुप्रसिद्ध राजनेता महेंद्र कर्मा इसके योजनाकार थे।?

'सलवा जूडूम' के ज़रिए स्थानीय जनजातीय युवाओं को SPO बनाया गया। उन्हें माओवादियों से लड़ने के लिए प्रशिक्षण और शस्त्र दिए गए। इसके चलते माओवादी आतंक पर नकेल कसनी शुरू हो गई थी। लेकिन अर्बन नक्सलियों को ये पहल रास नहीं आई। उसके बाद 'सलवा जुडूम' को वापस लेने के लिए एक सुनियोजित रणनीति शुरू हुई। 5 जुलाई 2011 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया। 'नन्दिनी सुन्दर और अन्य' द्वारा दायर विवाद पर जस्टिस सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह आदेश दिया कि नक्सलियों के खिलाफ राज्य की लड़ाई गैर-कानूनी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सलवा जुडूम से जुड़े लोगों से हथियार वापस लेने का आदेश जारी किया। किंतु इसका परिणाम क्या हुआ? सलवा जुडूम बैन होने से माओवादी आतंकियों को एक कवच मिला। सलवा जुडूम के SPO 'कोया कमांडोज' से उनके हथियार वापस ले लिए गए। इस बीच माओवादियों ने चुन-चुनकर उन लोगों की हत्याएं की। जो सलवा जुडूम से जुड़े हुए थे?। मई 2013 में सुकमा-जगदलपुर मार्ग से गुज़र रहे महेंद्र कर्मा के काफ़िले पर — झीरम घाटी में घात लगाए नक्सलियों ने हमला कर दिया। महेंद्र कर्मा समेत 30 से अधिक नेता और सुरक्षा जवानों को माओवादियों ने मौत के घाट उतार दिया। इस हमले का भी मास्टरमाइंड वही 'माडवी हिड़मा' था जिसे अर्बन नक्सली 'हीरो' की तरह ग्लैमराइज कर रहे हैं। जबकि 'माडवी हिड़मा' को दुर्दांत अपराधी बनाने के पीछे अर्बन नक्सली ही थे। जिन्होंने हिड़मा के ज़रिए — रक्तपात किया। निर्दोषों का ख़ून बहाया। वो हिड़मा जो अपनी मां, बाप, घर-परिवार, गांव और अपने जनजातीय समाज का सगा नहीं हुआ। वो हिड़मा जिसने सैकड़ों निर्दोष लोगों की बर्बरतापूर्ण ढंग से हत्या की। अब , अर्बन नक्सली हीरो बनाने पर जुटे हैं। ये दुर्भाग्यपूर्ण है। तथ्य ये भी है कि— महेंद्र कर्मा की नक्सलियों ने इसीलिए हत्या की, क्योंकि उन्होंने 'सलवा जूडूम' की शुरुआत की थी। उन्होंने कांग्रेस की पार्टी लाइन से हटकर माओवादी आतंकवाद के ख़िलाफ़ मोर्चा लिया था।

अब, सलवा जुडूम को बैन करवाने से जुड़े दो किरदारों की बात करते हैं जिनका गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में ज़िक्र किया। इन दोनों का कांग्रेस से कैसे कनेक्शन जुड़ता है? इस पर भी चर्चा करेंगे। पहली हैं नंदिनी सुंदर और दूसरे हैं जस्टिस सुदर्शन रेड्डी। नंदिनी सुंदर, डीयू की प्रोफेसर हैं जिन पर माओवादियों का साथ देने के आरोप लगते रहे हैं। वहीं उनके ख़िलाफ़ साल 2016 में एक आदिवासी की हत्या का मुक़दमा दर्ज हुआ था। दरअसल, बस्तर क्षेत्र के सुकमा जिले के नामा गांव में ग्रामीण शामनाथ बघेल की हत्या के आरोप में पुलिस ने मृतक की पत्नी की लिखित शिकायत पर FIR दर्ज की थी। उस समय दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नंदिनी सुंदर , जेएनयू की प्रोफेसर अर्चना प्रसाद, विनीत तिवारी और छत्तीसगढ़ में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव संजय परते और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। हालांकि 2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आई। साल 2019 में भूपेश सरकार ने नंदिनी सुंदर के ख़िलाफ़ दर्ज केस वापस ले लिया था। दूसरे हैं जस्टिस सुदर्शन रेड्डी जिन्होंने 'सलवा जुडूम' को असंवैधानिक बताकर बैन किया था। वो उपराष्ट्रपति उपचुनाव 2025 में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के प्रत्याशी बने।

इसी आधार पर गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीखा हमला बोलते हुए कहा था कि —जस्टिस सुदर्शन रेड्डी विपक्ष का उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बने, यह स्पष्ट करता है कि कांग्रेस पार्टी का कहना 'हमारा क्या लेना-देना' सही नहीं है। हमारे न्यायतंत्र में न्यायधीश को तटस्थ माना जाता है, लेकिन यदि कोई न्यायधीश अपनी व्यक्तिगत विचारधारा को संवैधानिक पोशाक में बदलकर आदेश जारी करता है और इसके कारण हजारों निर्दोष आदिवासियों की जान जाती है, तो मैं इस न्यायनिर्णय की घोर निंदा होनी चाहिए। जिन लोगों ने इन्हें वोट दिया और प्रत्याशी बनाया, उन्हें यह समझना चाहिए कि विचारधारा जनता के भले से ऊपर नहीं हो सकती। विचारधारा कभी भोले-भाले आदिवासियों की सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। विचारधारा जनता के कल्याण से ऊपर नहीं हो सकती। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में जिस तरह से कांग्रेस पर नक्सलियों को संरक्षण देने के आरोप लगाए।वो झकझोर कर रख देने वाले हैं।

ऐसे में सवाल उठते हैं कि— क्या 'सलवा जुडूम' बैन, नंदिनी सुंदर, जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी और कांग्रेस का कनेक्शन केवल एक संयोग है या सुनियोजित तंत्र?

इसके अतिरिक्त भी गृहमंत्री अमित शाह ने मनमोहन सरकार के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की सबसे पॉवरफुल काउंसिल NAC के बारे में भी तीखे प्रहार किए। सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली ह्रष्ट में नक्सलवाद माओवाद से जुड़े लोगों की भूमिका पर भी पर्याप्त प्रकाश डाला। उन्होंने इसे 'अर्बन नक्सल' इकोसिस्टम से जोड़ा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा —1970 से नक्सली आतंक क्यों चला, इसका मूल समझना आवश्यक है। जब मनमोहन सिंह जी की सरकार बनी, तब एक NAC यानी नेशनल एडवाइजरी काउंसिल बनाई गई। यह एक्स्ट्रा कॉन्स्टिट्यूशनल फोरम था, देश की नीति और कानून बनाने वाला। इस फोरम में सोनिया गांधी अध्यक्ष थीं, हर्ष मंदर इसके सदस्य थे, उनके एनजीओ 'अमन वेदिका' ने शीर्ष नक्सली नेता की पत्नी को जिम्मेदारी दी। रिकॉर्ड है कि वही नक्सलियों में शामिल थी जिन्होंने अपहरण किए थे। इस NAC ने देश की नीति निर्धारण की, रामदयाल मुंडा कहते थे कि— नक्सल ऑपरेशन ज़रूरत से ज़्यादा कठोर है। प्रच्छन्न समर्थन ने नक्सलियों की हिम्मत बढ़ाई। शबनम हाशमी, राम पुनियानी, उषा रामनाथन, एनसी सक्सेना, जीन ड्रेज़, फ़राह नकवी और विनायक सेन जैसे लोग—2010 में अदालत द्वारा दोषी पाए गए—फिर भी महत्वपूर्ण पदों पर रहे। जयराम रमेश ने महेश राउत, जो नक्सली था, उसकी रिहाई के लिए तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री को पत्र लिखा।

उपर्युक्त तथ्य डराने वाले हैं। ये तथ्य ये बताते हैं कि कैसे दशकों तक कांग्रेस और माओवादियों के गठबंधन के चलते देश हिंसा झेलता रहा। छत्तीसगढ़ के बस्तर समेत देश के कई राज्यों में नक्सलवाद का रक्त चरित्र देखने को मिला।

उर्स बना परमार्थ का मंच: 19 श्रद्धालुओं ने लिया अंगदान का संकल्प

ललितपुर (विश्व परिवार)। सूफी संत हजरत बाबा सदन शाह की दरगाह पर आयोजित अजीमुस्शान उर्स के दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने मानव सेवा का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए मेले को परमार्थ के मंच में बदल दिया। 31 मार्च से 4 अप्रैल 2026 तक चले पांच दिवसीय जन-जागरूकता शिविर में ट्रस्ट ने देहदान, अंगदान और रक्तदान का संदेश हजारों श्रद्धालुओं तक पहुंचाया।

शिविर के दौरान 19 लोगों ने राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (ह्हज्ञज्ञह्) के माध्यम से ऑनलाइन अंगदान का संकल्प लिया, जो इस आयोजन की बड़ी उपलब्धि रही।

अधिकारियों ने किया उद्घाटन, सराहा प्रयास

जन-जागरूकता शिविर का उद्घाटन एसडीएम सदर मनीष कुमार, सीओ सदर सुनील कुमार और सीओ ट्रैफिक तारिक हुसैन ने फीता काटकर किया।

जिलाधिकारी सत्यप्रकाश, पुलिस अधीक्षक मो. मुस्ताक व उर्स कमेटी के पदाधिकारियों ने शिविर का दौरा कर ट्रस्ट की गतिविधियों की सराहना की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

परमार्थ का संदेश बना आकर्षण का केंद्र

ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चन्द्र साहू की पहल पर आयोजित इस शिविर ने जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी का संदेश दिया। ट्रस्ट कोषाध्यक्ष सुषमा साध के अनुसार एक देहदान अंगदान न सिर्फ कई जिंदगियां बचा सकता है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को भी नई दिशा देता है।पिछले वर्ष ट्रस्ट द्वारा दो सफल देहदान कराकर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के मेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा हेतु लाभ पहुंचाया गया था।

मेडिकल प्रशासन की अनुपस्थिति पर उठे सवाल

हालांकि यह शिविर राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन, लखनऊ के निर्देशन और स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के तत्वावधान में आयोजित था, लेकिन पांच दिनों तक मेडिकल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही।

समाजसेवियों और जागरूक नागरिकों ने इस पर नाराजगी जताते हुए सवाल उठाए कि ऐसे महत्वपूर्ण जन-जागरूकता कार्यक्रम को अपेक्षित सहयोग क्यों नहीं मिला।

चूंकि मेडिकल कॉलेज को भी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने नजरंदाज किया था जिस पर समाजसेवियों ने तीखी टिप्पणी की थी।

अंग प्रत्यारोपण यूनिट के लिए पहल तेज

राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (सॉट्टो) के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश हर्षवर्धन से ट्रस्ट संस्थापक की मुलाकात के बाद ललितपुर मेडिकल कॉलेज में अंग निष्कासन/ट्रांसपोर्टेशन यूनिट स्थापित करने की दिशा में पहल तेज हुई है। इसके लिए फार्म-13 (मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध संसाधनों का ब्योरा) की औपचारिकताएं पूर्ण कराने हेतु जिलाधिकारी को पत्र भी सौंपा गया है।

इनका रहा विशेष योगदान :- इस आयोजन को सफल बनाने में ट्रस्ट अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह बुंदेला, महामंत्री राजपाल फौजी, कोषाध्यक्ष सुषमा साध, ट्रस्टी धनंजय यादव (जिला पंचायत सदस्य), उपाध्यक्ष अनिल साहू, महेश कुशवाहा, परवेज पठान, मंत्री रामस्वरूप पटेल, संरक्षक हरीश कपूर 'टीटू', वंदना प्रमोद मेहता, आदर्श साध, आशीष साहू, बालकृष्ण पाल, चंद्रप्रभा वर्मा, लाखन सिंह पटेल, पहाड़ सिंह गदयाना, कीरत सिंह बाबा, रंजीत सिंह यादव, सब्बीर मंसूरी, मलखान सिंह, विशाल सिंह, मीडिया संयोजक अमित लखेरा व प्रभारी देवेन्द्र साहू सहित अन्य कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

समापन मेंयह आयोजन न सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि हिंदू-मुस्लिम एकता और मानव सेवा का संदेश भी दे गया। शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ।

मुनि श्री संधान सागर महाराज ने किया उत्कृष्ट कैशलोंच

रांची। आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य एवं मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज के परम प्रभावक संघस्थ तपस्वी मुनि श्री संधान सागर महाराज ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के चतुर्थ दिवस तप कल्याणक के अवसर पर विरसा मुंडा फन पार्क के प्राकृतिक वातावरण में अद्वितीय तप का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने सिर, दाढ़ी और मूंछों के केशों को स्वयं अपने हाथों से राख के सहारे उखाड़कर उत्कृष्ट कैशलोंच किया।

मुनिसंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' ने जानकारी देते हुए बताया कि मुनि श्री प्रत्येक दो माह में इस प्रकार का कठोर कैशलोंच करते हैं। इस अद्भुत तपस्या को देखने के लिए पंचकल्याणक स्थल पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।व्यस्त कार्यक्रम और भीड़भाड़ के बावजूद मुनि श्री प्रतिदिन अपर बाजार स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं रातू रोड स्थित बासुपूज्य जिनालय के दर्शन हेतु पहुंचते हैं, जो उनकी अटूट साधना और अनुशासन का प्रतीक है।

कैवल्यज्ञान कल्याणक पर गूंजा शंखनाद, धर्मसभा में किया शंकाओं का समाधान :- पंचकल्याणक महोत्सव के पांचवें दिवस कैवल्यज्ञान कल्याणक की भव्य पूजा संपन्न हुई। प्रात:काल मुनि वृषभ सागर महाराज की आहार चर्या के पश्चात दिन में भगवान के कैवल्यज्ञान से संबंधित समस्त क्रियाएं मुनिसंघ द्वारा शंखध्वनि के साथ संपन्न कराई गईं।

समवसरण सभा में गणधर परमेष्ठी के रूप में मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज, मुनि श्री संधान सागर महाराज एवं भावी मुनि समादर सागर महाराज सहित ब्रह्मचर्य धारण करने वाले साधकों एवं प्रतिष्ठाचार्यों ने श्रद्धालुओं की धार्मिक शंकाओं का समाधान किया। मुनि श्री ने

तत्क्षण गूढ़ प्रश्नों के उत्तर देकर सभी को संतुष्ट किया।

6 अप्रैल को मोक्ष कल्याणक, फिर सम्मेदशिखर जी की ओर मंगलविहार :- महामहोत्सव के अंतिम दिवस 6 अप्रैल 2026 को प्रात: बेला में भगवान के मोक्ष कल्याणक की पूजा संपन्न होगी। इसके उपरांत मुनिसंघ का मंगलविहार पावन तीर्थराज श्री सम्मेदशिखर जी की ओर प्रारंभ होगा।

इस मंगलविहार में शामिल होने हेतु रांची ही नहीं, बल्कि देशभर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

15ङ्क18 अप्रैल: सम्मेदशिखर में ऐतिहासिक जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव :- मुनिसंघ 15 अप्रैल को श्री सम्मेदशिखर जी में मंगल प्रवेश करेगा।16 एवं 17 अप्रैल को विभिन्न धार्मिक विधान एवं मांगलिक कार्यक्रम होंगे, जबकि 18 अप्रैल 2026 को गुणायतन प्रणेता मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज द्वारा पहली बार सम्मेदशिखर तीर्थराज पर जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी।

इस भव्य अवसर पर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात एवं राजस्थान सहित पूरे देश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था :- गुणायतन परिवार द्वारा 17, 18 और 19 अप्रैल को तीन दिवसीय विशेष व्यवस्था की गई है, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए आवास एवं शुद्ध भोजन की उत्तम व्यवस्था रहेगी गुणायतन परिवार के पदाधिकारियों ने देशभर के श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि इस ऐतिहासिक एवं दुर्लभ दीक्षा महोत्सव के साक्षी बनने हेतु अवश्य पधारें एवं पुण्यलाभ अर्जित करें।

सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में हो रही सिद्धों की आराधना आज 128 अर्घ चढ़ाए गए

श्रद्धालु भक्तों ने किया बड़ी संख्या में अभिषेक

कुण्डलपुर दमोह (विश्व परिवार)। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र जैन तीर्थ कुण्डलपुर में विश्ववंदनीय संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं विद्या शिरोमणि आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से बड़े बाबा के आंगन में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन चल रहा है। विधानाचार्य संजय भैया मुरैना, अरुण भैया कटंगी के निर्देशन में ब्र. सचिन भैया ब्र. सौरभ भैया पूर्णायु जबलपुर के सानिध्य में संगीतकार सुनील जैन कोटा के संगीत की मधुर स्वर लहरियों के बीच विधान के चौथे दिन 128 अर्घ समर्पित किए गए। विधान पुन्यार्जक परिवार श्रेष्ठी चंद्रकुमार विजयकुमार संचित जैन मुक्ता ड्रेसेस परिवार चिरमिरी छत्तीसगढ़, सौधर्मेंद्र चंद्रकुमार सविता जैन, ध्वजारोहण कर्ता विजय जैन तिथि वेदिका सहित विधान में सम्मिलित सभी श्रद्धालु भक्त अत्यंत भक्ति पूर्वक नृत्य करते हुए प्रत्येक अर्घ समर्पित कर रहे हैं। प्रचारमंत्री जयकुमार जैन जलज ने बताया कि इस अवसर पर पूज्य बड़े बाबा का प्रथम अभिषेक, शांतिधारा, रिद्धिकलश, आदि करने का सौभाग्य श्रीमती मेवा देवी चंद्रप्रकाश महेंद्र जयकुमार जैन परिवार कोटा, सम्यक जैन कोमलचंद संदीप जैन

सागर, श्रीमती कमलेश राहुल रश्मि चौधरी मेडिकल परिवार ललितपुर, संजय अक्षय मानिक जैन शाहदरा दिल्ली, आशीष सौरभ संजय जैन एटा, अमित मनुज श्रीपाल जैन गन्नौर गुसिधाम ,ऋषभ नाथूलाल जैन जबलपुर, एकांत जैन ममता डॉ.स्वाति निखिल कक्का जी परिवार अशोकनगर, अमित कुमार जैन सागर, डालचंद आशीष अक्षय समय जैन शाहपुरा, राजकुमार चक्रेश जैन मोदी गुरसराय, अंश विक्की क्रांति नेहा मुलायमचंद जैन परिवार भोपाल, चक्रेश अभिषेक अंकित जैन पिपरई, शुभम अमित आकाश जैन शामली सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त किया। सायंकाल पूज्य बड़े बाबा की संगीतमय महाआरती एवं भक्तामर दीप अर्चना में भक्त भक्ति में झूम उठे।

योग-साधना के 5वें कुंभ में आचार्य प्रसन्न सागर व बाबा रामदेव बताएंगे उपवास के फायदे

औरंगाबाद। बांसवाड़ा शहर के डूंगरपुर रोड पर लोधा पॉवर हाउस के सामने स्थित एक निजी हॉल में योग एवं साधना का 5वां बड़ा कुंभआयोजित होने जा रहा है। 'हर मास एक उपवास' नाम का यह कार्यक्रम प्रसिद्ध जैन संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज और योग गुरु बाबा रामदेव के सानिध्य में होगा। 7 अप्रैल की दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से कई बड़ी हस्तियां

इनमें रिटायर्ड आईएएस एवं पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश दुर्गा शंकर मिश्रा, प्रख्यात कवि डॉ. हरिओम पंवार, प्रसिद्ध कथावाचक कमलेश भाई शास्त्री, महामंडलेश्वर स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती, बाबा सत्यनारायण मौर्या और मोटिवेशनल स्पीकर उज्वल पाटनी मौजूद रहेंगे। इस पहल की शुरुआत 13 दिसंबर को दिल्ली के भारत मंडपम से हुई थी, जिसमें करीब 6 लाख लोगों ने एक उपवास का संकल्प लिया था।हर मासएक उपवास' क्या है? आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने बताया कि आत्मा औरशरीर की शुद्धि का सबसे सरल उपाय है।'उपवास', जिन लोगों ने उपवास को अपनाया, उन्होंने अपने परिवार ही नहीं, बल्कि समाज और देश को भी जीने की प्रेरणा दी है। उन्होंने बताया कि शरीर की भूख भोजन है और आत्मा की भूख उपवास है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भूख एक बीमारी है और भोजन एक औषधि। इसलिए जो भोजन को औषधि समझकर ग्रहण करते हैं, वे 'दवा खाने' से बच जाते हैं, जबकि जो भोजन को दबा दबा कर खाते हैं वह 'दवाखाने' जाते हैं।

मुनि धर्म की कठिन साधना और श्रावक धर्म की सरल राह से प्रशस्त होता है मोक्ष मार्ग :मुनि श्री प्रमाणसागर जी

रांची (विश्व परिवार)। झारखंड की राजधानी में इन दिनों बिरसा मुंडा पार्क मे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज एवं मुनि श्री संधान सागर महाराज के स संघ सानिध्य में चल रहा है। पांचवे दिवस केवलज्ञान कल्याणक के अवसर पर समवसरण में गणधर पीठ से प्रवचन देते हुए मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने कहा कि आत्मकल्याण और मोक्ष प्राप्ति के लिए प्रत्येक मनुष्य को मुनि धर्म का पालन करने का प्रयास करना चाहिए, जो व्यक्ति मुनि धर्म का पालन करने में असमर्थ हैं, उनके लिए जैन धर्म में श्रावक धर्म की सुव्यवस्थित परंपरा का विधान किया गया है।

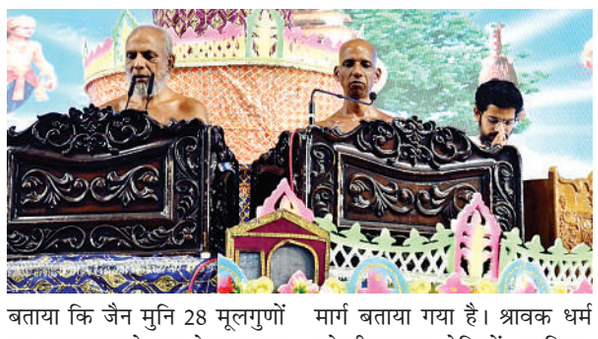

मुनि श्री ने अपने उद्बोधन में बताया कि जैन मुनि 28 मूलगुणों का पालन करते हुए तेरह प्रकार के चारित्र को अंगीकार करते हैं। ये अट्ठाईस मूलगुण ही मुनिव्रत की आधारशिला हैं, जिनके बल पर मुनि कठोर साधना में स्थिर रहकर मोक्ष मार्ग को प्रशस्त करते हैं तथा अपने चारित्र की दृढ़ता बनाए रखते हैं,उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के लिए मुनि व्रत धारण करना संभव नहीं है, इसलिए गृहस्थों के लिए श्रावक धर्म का मार्ग बताया गया है। श्रावक धर्म को तीन प्रमुख श्रेणियों—पाक्षिक, नैष्ठिक और साधक—में विभाजित किया गया है।

पाक्षिक श्रावक वे होते हैं जो जिनमत में श्रद्धा रखते हुए कुलाचार का पालन करते हैं, देव-गुरु-धर्म की उपासना करते हैं तथा रात्रि भोजन का त्याग करते हैं। इसके बाद नैष्ठिक श्रावक अधिक निष्ठा के साथ धर्म का पालन करते हैं, जिनके जीवन में ग्यारह प्रतिमाओं का क्रमिक विकास होता है, जो आध्यात्मिक उन्नति की सीढ़ियाँ मानी जाती हैं। मुनि श्री ने कहा कि साधक श्रावक उच्च आध्यात्मिक स्तर पर पहुंचकर संसार, शरीर और भोगों से विरक्त हो जाते हैं तथा पंच गुरु की शरण स्वीकार करते हैं। वे क्रमश: व्रतों और गुणों में वृद्धि करते हुए अंतत: संलेखना (समाधि मरण) के माध्यम से शांतिपूर्वक देह का त्याग करते हैं,मुनि श्री ने कहा कि श्रावक अपनी क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार पाक्षिक से नैष्ठिक और आगे साधक अवस्था की ओर अग्रसर हो सकता है,जीवन भर कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए अंत में संलेखना द्वारा देह का परित्याग करना ही जीवन का वास्तविक सार है।

जैन धर्म की यह महान परंपरा स्पष्ट करती है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर धर्म का पालन करते हुए आत्मशुद्धि के मार्ग पर अग्रसर होकर मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है।

रांची में तप की अद्भुत मिसाल: मुनि श्री संधान सागर महाराज ने किया उत्कृष्ट कैशलोंच

रांची। आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य एवं मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज के परम प्रभावक संघस्थ तपस्वी मुनि श्री संधान सागर महाराज ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के चतुर्थ दिवस तप कल्याणक के अवसर पर विरसा मुंडा फन पार्क के प्राकृतिक वातावरण में अद्वितीय तप का प्रदर्शन किया।

भगवान से संसार की सुख सुविधाएं मांगने वाला सबसे बड़ा भिखारी :मुनि श्री साध्य सागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। श्री नेमिनाथ जिनालय झिरनों में प्रभु नेमिनाथ की भक्ति में लीन हे श्रद्धालु, सिद्ध भक्ति के साथ श्री सिद्ध चक्र विधान में अनुष्ठान के प्रमुख पात्रों ने अरघ अर्पित किए, मूलनलायक भगवान नेमिनाथ का अभिषेक शांति धारा के साथ अनुष्ठान की क्रियाएं मंत्रोच्चार के साथ हुई, श्री नेमिनाथ भक्त मंडल के तत्वाधान में चल रहे अनुष्ठान में इंद्र इंद्राणियों ने श्री सिद्ध चक्र का पाठ करो गाते हुए प्रभु की भक्ति नृत्य द्वारा प्रमुख मंडल की परिक्रमा कर आराधना की प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि साध्य सागर मुनि विश्व सूर्य सागर महाराज के सानिध्य में हो रहे अनुष्ठान में श्रद्धालु भगवान

सिद्ध की भक्ति में लीन हे, आचार्य विद्या सागर महाराज आचार्य समय सागर महाराज आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर मंगलाचरण किया मुनि श्री विश्व सूर्य सागर महाराज ने कहा अनुष्ठान मनोरंज का साधन नहीं हे लोग अनुष्ठान के प्रमुख पात्र सो धर्म इंद्र मनोज जैन भगवान से सांसारिक सुख सुविधा मांगने जाते हे सबसे बड़े भिखारी हे, भगवान की भक्ति हमे स्वयं आत्मा से परमात्मा बना सकती हे प्रमुख पात्र मनोज एडवोकेट बबीता, हितेंद्र जैन अंजू, ध्वजा रोहन कर्ता मनीष जैन श्री पाल मैना सुंदरी संजय मनीष अनुष्ठान प्रमुख कुबेर दिव्य सौम्या चक्रवर्ती पंकज समता महा यज्ञ नायक अनुभव प्रगति राजेश सीमा संजय समता महावीर मनोज मीता अंतविन संध्या विपिन मनीषा एम पी टी अंशुल मेघा पीयूष अलका अंशुल मेघा पंकज सुमन चाय आशीष नीलम अनिल रेखा अशोक चंदन बाला सराफ गुलशन मोना राजीव अल्पना पंकज प्रियंका राजेश ज्योति राजकीय मार विद्या सुनील सीमा अमित सोनिका संजय संजना राजीव रानी संजय ऊषा आनंद अंकिताअजय अनीता जिनेश भावना ने मंडल पर अरघ अर्पित किए।

जयपुर के प्राचीन जैन मंदिर तीर्थ से कम नहीं - इस धरोहर के संरक्षण की आवश्यकता है : आचार्य वर्धमान सागर महाराज

जयपुर (विश्व परिवार)। प्रसिद्ध दिगम्बर जैन आचार्य वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ का रविवार, 5 अप्रैल को भट्टारक जी की नसिया में विशाल जुलूस के साथ जयकारों के बीच भव्य मंगल प्रवेश हुआ ।इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इससे पूर्व आचार्यश्री ससंघ चार दीवारी स्थित चौकड़ी मोदीखाना के लश्कर पाटोदी दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार कर विभिन्न मंदिरों के दर्शन करते हुए सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल में पहुचे जहां विद्यालय परिसर के अवलोकन पश्चात आचार्य श्री के आशीर्वचन हुए। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के मानद् मंत्री उमरावमल संघी एवं मुनि भक्त सुरेश सबलावत ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ रविवार को प्रात: 6.30 बजे चौकड़ी मोदीखाना स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर लश्कर पाटोदी से मंगल विहार कर किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट होते हुए के टावर पहुचे जहां पुष्प लता विवेक काला परिवार द्वारा भव्य अगवानी की गई ।

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर के मानद् मंत्री सुनील बख्शी ने बताया

कि आचार्य श्री ससंघ का विद्यालय परिसर में पहली बार मंगल आगमन हुआ। विद्यालय परिसर के अवलोकन के दौरान स्कूल में चल रही गतिविधियों की आचार्य संघ को जानकारी दी गई। वर्धमान सभागार में आयोजित धर्म सभा में पादपक्षालन, मंगलाचरण के बाद आचार्य श्री के आशीर्वचन हुए। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक प्रात: 8.30 बजे बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के साथ आचार्य श्री ससंघ का हास्पिटल रोड होकर दीवान जी की नसिया के दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए भट्टारक जी की नसिया में भव्य मंगल प्रवेश हुआ । मार्ग में सेठियों के चैत्यालय के दर्शन लाभ के बाद मार्ग में मुनि भक्त सुभाष चन्द जौहरी के आवास पर जौहरी परिवार द्वारा तथा धर्म जागृति संस्थान राजस्थान के पदाधिकारियों द्वारा अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला के नेतृत्व में तथा उदय लाल दीवान जी की नसिया में दीवान परिवार द्वारा अनिल दीवान के नेतृत्व में आचार्य श्री के पादपक्षालन एवं मंगल आरती की गई।

45 हजार लोगों की ज़िंदगी खतरे में : कोपरा का स्वास्थ्य केंद्र बिना डॉक्टर, व्यवस्था बदहाल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाली के दौर से गुजर रही है। अस्पतालों में संसाधनों और डॉक्टरों की भारी कमी ने हालात को गंभीर बना दिया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण नगर पंचायत कोपरा का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) है, जहां वर्षों से एक भी एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति नहीं हुई है।

सालों से डॉक्टर की मांग, फिर भी खाली पद- स्थानीय लोग लंबे समय से डॉक्टर की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी नियुक्ति नहीं हो पाई। डॉक्टरों के अभाव में मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

45 हजार लोगों की जिम्मेदारी, लेकिन डॉक्टर नहीं- कोपरा नगर पंचायत की आबादी लगभग 15 हजार है, जबकि आसपास के 30 हजार से अधिक ग्रामीण भी इसी अस्पताल पर निर्भर हैं। इसके बावजूद यहां डॉक्टर नहीं हैं और रूरल मेडिकल असिस्टेंट (ऋरू) के भरोसे इलाज चल रहा है।

डॉ. पी.के. बैसाख के सेवानिवृत्त होने के बाद से यहां किसी मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति नहीं की गई। हैरानी की बात यह है कि वे भी कोपरा के बजाय राजिम में सेवाएं दे रहे थे।

रोज 100 मरीज, लेकिन सीमित सुविधाएं- पीएचसी में प्रतिदिन करीब 100 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। कोपरा के अलावा भेण्ड्री, पंडरीतराई, रवेली, लोहरसी, मूडतराई, जेंजरा,

कापसीडीह, सुरसाबांधा, तर्रा, कुरुसकेरा सहित धमतरी जिले के कई गांवों से लोग यहां आते हैं।

उपलब्धियां भी, लेकिन बुनियादी कमी बरकरार- डॉक्टरों की कमी के बावजूद अस्पताल ने राज्य स्तरीय कायाकल्प प्रतियोगिता में तीन बार जीत हासिल की है और राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया है। साफ-सफाई और सेवा के लिए इसे उच्च स्तर पर पहचान मिली है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी अब भी जस की तस है।

गंभीर मरीजों के लिए संकट- डॉक्टर और एम्बुलेंस की अनुपस्थिति से गंभीर मरीजों को भारी परेशानी होती है। गर्भवती महिलाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। एम्बुलेंस के लिए 15 किमी दूर राजिम या 7 किमी दूर पाण्डुका पर निर्भर रहना पड़ता है। कई बार समय पर सुविधा न मिलने से जोखिम बढ़ जाता है।

जांच सुविधा भी सीमित- खून और पेशाब जांच सप्ताह में केवल दो दिन ही हो रही है। जांच के लिए मरीजों को पाण्डुका और राजिम जाना पड़ता है, जिससे अतिरिक्त समय और खर्च दोनों बढ़ते हैं।

स्टाफ पर कई जिम्मेदारियों का बोझ- डॉक्टरों के बिना भी अस्पताल का स्टाफ टीबी, कुष्ठ, टीकाकरण, जननी सुरक्षा, बुजुर्ग स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य जैसे कई कार्यक्रम संभाल रहा है। इससे काम का दबाव लगातार बढ़ रहा है।

विधायक के आश्वासन के बाद भी नहीं पहुंचे डॉक्टर- स्थानीय लोगों ने विधायक के समक्ष समस्या रखी थी, जिसके बाद दो डॉक्टरों की नियुक्ति का आदेश जारी हुआ। एक डॉक्टर ने पाण्डुका में पदभार ग्रहण किया, लेकिन कोपरा में आज तक डॉक्टर ने जॉइन नहीं किया।

स्वास्थ्य विभाग की प्रतिक्रिया- विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार जांच सुविधाओं के लिए प्रयास जारी हैं। वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अनुपस्थित डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और जवाब मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बड़ा सवालः कब सुधरेगी व्यवस्था?- कोपरा जैसे क्षेत्र में 45 हजार लोगों की स्वास्थ्य सेवाएं भगवान भरोसे चल रही हैं। सवाल यही है कि आखिर कब यहां डॉक्टरों की स्थायी नियुक्ति होगी और लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल पाएंगी।

कांग्रेस का मिशन गांव चलो अभियान जारी ....

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने मिशन गांव चलो अभियान के तहत नगरनार ब्लॉक में ली महत्वपूर्ण बैठक ...

जगदलपुर। आज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री दीपक बैज जी के निर्देशानुसार एवं मिशन गांव चलो अभियान के तहत बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष श्री सुशील मौर्य जी के द्वारा नगरनार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंतर्गत बूथ कमेटी व पंचायत कमेटी गठन प्रकिया हेतु महत्वपूर्ण बैठक ली गई.इस बैठक में बूथ कमेटी व पंचायत कमेटी के विस्तार व आगामी कार्ययोजना को लेकर चर्चा की गई।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा बैठक में कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति और आगामी रणनीति से अवगत कराते हुए जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी ÷मिशन गाँव चलो अभियान÷ के तहत संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना है सभी एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और गाँव-गाँव तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने का संकल्प ले ÷मिशन गाँव चलो अभियान÷ का मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करना, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना और आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। इस बैठक में मुख्य रूप से इस बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी उमाशंकर शुक्ला, नगरनार ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया,रविशंकर तिवारी,वीरेंद्र साहनी,नीलुराम बघेल, दयाराम कश्यप,महामंत्री नीतीश शर्मा,सचिन खरे, मनु सेन, भुवन झा, खीरमनी, भोजराज नाग, दिलीप साहू, तिलक यादव, फूलमणि कश्यप, महारुराम कश्यप, दयालुराम कश्यप,ललित राऊत, मन्नू, धर्मादास नाग,सोनाई कश्यप, रामधर बघेल, रामसिंह कश्यप, बालूराम मंडावी,वट्टी आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिला महिला मोर्चा की नवीन कार्यकारिणी टीम घोषित

जिला अध्यक्ष माहेश्वरी ठाकुर ने की घोषणा, बिजली बैद्य व पूनम सिन्हा को जिला महामंत्री का मिला दायित्व

संगठन को सशक्त बनाने महती भूमिका निभाये महिला मोर्चा – भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी ने महिला मोर्चा की नवीन जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशानुसार महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी की सहमति व भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय की अनुशंसा से महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष माहेश्वरी ठाकुर ने अपनी नई जिला कार्यकारिणी टीम घोषित की है। भाजपा जिला महिला मोर्चा में महामंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व बिजली बैद्य और पूनम सिन्हा को सौंपा गया है।

जिला उपाध्यक्ष कुसुम परिहार,डाकेश्वरी पाण्डेय, गीता मिश्रा व बीबी चंदाबानो बनायी गयीं हैं। जिला मंत्री

माहेश्वरी ठाकुर, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष

बिजली बैद्य, जिला महामंत्री भाजपा महिला मोर्चा

पूनम सिन्हा, जिला महामंत्री भाजपा महिला मोर्चा

मीना विश्वकर्मा, उर्मिला गोयल, पुष्पा तिवारी, रेखा नाग, विभा सिंह नियुक्त हुई हैं। वहीं कोषाध्यक्ष बसंती नायक, सह कोषाध्यक्ष किरण उईके, कार्यालय प्रभारी श्वेता गुप्ता, मीडिया प्रभारी अनिता पटेल एवं सोशल मीडिया प्रभारी अलका सेंगर को बनाया गया है।

कार्यसमिति सदस्यों में रेखा परमार,शशि नाग,रीना घोष, मधुमिता कश्यप,आशा पाटिल,बुटकी कश्यप, चम्पा नाग, त्रिवेणी रंधारी, पार्वती शर्मा, सोनमती घोष, तिलोत्तमा बघेल,आशा महापात्र,धनमती बिसाई, धनमती प्रजापति,जयमनी ठाकुर, स्थायी आमंत्रित सदस्यों में अन्नपूर्णा नायडू, सुधा मिश्रा, अनिता श्रीवास्तव, दयामनी बघेल, रमन्ना सोनी,रौशन सिसोदिया, मीना साहू, विशेष आमंत्रित सदस्यों में वेदवती कश्यप, दीप्ति पाण्डेय, दयावती देवांगन, ममता राणा, रामबती भण्डारी, सोनबारी भद्रे,महावती मण्डावी,पद्मा कश्यप,पदमनी कश्यप,मानकदई कश्यप, जयबती कश्यप,अंजू राय व टिकेश्वरी मण्डावी को स्थान दिया गया है।

भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने महिला मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी से संगठन की रीति नीति पर चलते हुए पार्टी को मजबूत बनाने व दायित्वों को कर्मठता से पूर्ण करने अपेक्षा की है।

तीन दिनों से 22 हाथियों का दल सक्रिय महुआ बिनने गई किशोरी को गंवानी पड़ी जान

रामानुजगंज। रामचंद्रपुर विकासखंड में हाथी के हमले में 14 साल की किशोरी की मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह ग्राम चिनिया के चिनिया मोड़ पर हुई। मृतका की पहचान बरदरिया निवासी पिंकी कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह रिश्तेदारों के यहां चिनिया गांव आई हुई थी। शनिवार सुबह करीब 6 बजे पिंकी महुआ चुनने जंगल हुई गई थी, उसी दौरान 22 हाथियों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय पास में मौजूद महावीरगंज का एक व्यक्ति किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाथियों का दल पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में घूम रहा था। इससे ग्रामीणों में पहले से ही डर का

माहौल बना हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रामानुजगंज अस्पताल को भेज दिया गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जंगल क्षेत्रों में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए ठोस सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है,ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें।

मुंगेली में गर्मी की शुरुआत के साथ जल संकट गहराया, नागरिकों में बढ़ा आक्रोश

मुंगेली। गर्मी की शुरुआत होते ही नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पेयजल की समस्या ने विकराल रूप लेना शुरू कर दिया है। अप्रैल के पहले ही सप्ताह में 22 वार्डों वाले मुंगेली नगर पालिका के अधिकांश इलाकों में पानी की किल्लत साफ तौर पर नजर आने लगी है। हालात यह हैं कि कई वार्डों में लगे हैंडपंप और बोरवेल खराब पड़े हैं, जबकि कुछ क्षेत्रों में पाइपलाइन व्यवस्था भी सुचारू रूप से काम नहीं कर रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से खराब पड़े बोरवेलों की मरम्मत नहीं कराई जा रही है, जिससे उन्हें पानी के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चों को सुबह-शाम पानी के लिए भटकना पड़ रहा है, जिससे उनकी दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। वहीं, जिन

वार्डों में पानी की सप्लाई हो रही है, वहां भी अनियमितता के कारण लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। स्थिति को और गंभीर बनाता है नगर पालिका की लापरवाही का दूसरा पहलू, जहां कई स्थानों पर पाइपलाइन लीकेज या ओवरफ्लो के चलते साफ पानी सड़कों और नालियों में बहता देखा जा रहा है। एक ओर जहां लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर इस तरह पानी की बर्बादी लोगों के आक्रोश को और बढ़ा रही है। नागरिकों का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में यह समस्या सामने आती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कई वार्डों में वर्षों से पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन देकर अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आते हैं। फिलहाल, भीषण गर्मी की आहट के साथ ही पानी की समस्या ने नगरवासियों की चिंता बढ़ा दी है और सभी की नजरें अब नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर टिकी हुई हैं।

निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर यूरिया बिक्री की शिकायत पर कृषि केंद्रों का किया गया निरीक्षण

मुंगेली। जिले में निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया बिक्री किए जाने की प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय के निर्देशानुसार मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित उप संचालक कृषि और नायब तहसीलदार की संयुक्त टीम द्वारा जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न निजी कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान सुपर एजेंसी, पंजाब एजेंसी, कैलाश ट्रेडर्स, शक्ति माई कृषि केंद्र सहित अन्य निजी उर्वरक केंद्रों की जांच की गई। संयुक्त टीम ने मौके पर उपस्थित किसानों से यूरिया की बिक्री दर, उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था के संबंध में विस्तृत पूछताछ की। साथ ही केंद्रों में पीओएस मशीन, स्टॉक रजिस्टर एवं बिक्री रसीदों की गहन जांच की जा गई, ताकि निर्धारित दर से अधिक मूल्य

वसूली अथवा अनियमितता की पुष्टि की जा सके। निरीक्षण के दौरान सभी विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसानों को केवल किसान पोर्टल में पंजीकृत रकबा के आधार पर शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही यूरिया उपलब्ध कराया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीम द्वारा किसानों से किसी भी केंद्र पर निर्धारित मूल्य से अधिक राशि लेने पर इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग अथवा प्रशासन को देने की समझाइश दी गई।

ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

ईस्टर विश्व की संस्कृति धरोहर है : डॉ . क्रांति खूंटे

चांपा। ईस्टर पर्व परमपिता परमेश्वर प्रभु यीशु मसीह जी से जुड़ी हुई पुराणिक धरोहर है इस संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय महिला पुरुस्कार से सम्मानित डॉ क्रांति खूंटे ने बताया है कि जिसे पास्च या पास्का या पुनरुत्थान रविवार भी कहा जाता है, एक ईसाई त्योहार और सांस्कृतिक अवकाश है जो यीशु के मृतकों में से जी उठने की याद में मनाया जाता है,जिसका वर्णन बाइबिल के नए नियम में रोमियों द्वारा कलवारी में सूली पर चढ़ाए जाने के बाद उनके दफ्न के तीसरे दिन, लगभग 30 ईस्वी में हुआ था। यह यीशु के कष्टों की पराकाष्ठा है, इससे पहले लेंट (या महान लेंट) आता है, जो उपवास, प्रार्थना और प्रायश्चित की 40 दिनों की अवधि है। ईस्टर मनाने वाले ईसाई आमतौर पर ईस्टर से पहले, लेंट के अंतिम सप्ताह को पवित्र सप्ताह कहते हैं, जो पश्चिमी ईसाई धर्म में पाम संडे (यरूशलेम में यीशु के प्रवेश का प्रतीक) से शुरू होता है, इसमें स्पाई वेडनेसडे (जिस दिन यीशु के विश्वासघात का शोक मनाया जाता है) शामिल है, और इसमें ईस्टर ट्रिड्यूम के दिन शामिल हैं, जिनमें मौंडी थर्सडे भी शामिल है, जो मौंडी और अंतिम भोज की याद दिलाता है साथ ही गुड फ्राइडे भी शामिल है, जो यीशु के

क्रूस पर चढ़ने और मृत्यु की याद दिलाता है। पूर्वी ईसाई धर्म में, इन्हीं घटनाओं को उन दिनों के नामों से मनाया जाता है जो सभी पवित्र या पवित्र और महान से शुरू होते हैं, और ईस्टर को स्वयं महान और पवित्र पास्का कहा जा सकता है। पश्चिमी और पूर्वी ईसाई धर्म दोनों में, ईस्टरटाइड जिसे ईस्टर या पास्का ऋतु के रूप में भी जाना जाता है ईस्टर रविवार से शुरू होता है और सात सप्ताह तक चलता है, जो 50वें दिन, पेंटेकोस्ट रविवार को समाप्त होता है। हालांकि, पूर्वी ईसाई धर्म में, पर्व की विदाई 39वें दिन होती है, जो स्वर्गारोहण पर्व की पूर्व संध्या है। ईस्टर और इससे संबंधित त्यौहार चलित पर्व हैं, जो किसी निश्चित तिथि पर नहीं पड़ते; इसकी तिथि चंद्र-सौर कैलेंडर (सौर वर्ष और चंद्रमा की कला) के आधार पर निर्धारित की जाती है।, जो हिब्रू कैलेंडर के समान है , जिससे कई विवाद उत्पन्न होते हैं।

मोदी सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता के कारण महंगाई बढ़ गयी : कांग्रेस

जशपुरनगर। मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस के दाम में 195 रू. की बढ़ोतरी कर दिया। इसके पहले तीन महीने में कमर्शियल गैस के दाम में 525 रू. की बढ़ोतरी हुई थी, पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने घरेलू गैस के दाम में 62 रू की बढ़ोतरी कर दिया। सरकार ने खूब वाहवाही लिया कि पेट्रोल, डीजल पर एक्साइज कम कर दिया भाजपा नेता इसको सरकार की बड़ी राहत प्रचारित कर रहे थे लेकिन आज ही पेट्रोल के दाम में 1 रू. से अधिक की बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में हुई है। नायरा के पेट्रोल पंप में तो यह बढ़ोतरी 4 रू. की है। एवीएशन के पेट्रोल मे भी बढ़ोतरी कर दीं गयी जिससे हवाई यात्रा भी महगी हो गई। खाद्य तेल, मावा, राशन सामग्री सभी के दाम बेतहाशा बढ़ गये है। दूध के दाम भी बढ़ गये। यह आरोप कांग्रेस जिलाध्यक्ष यूडी मिंज ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए लगाया। इस दौरान पूर्व विधायक विनय भगत और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

यह भी लगाया आरोप- आम आदमी के किचन का बजट मोदी सरकार ने बढ़ा दिया है। खाद्य तेल को 70 रुपए प्रति लीटर तक पहुंचने में 70 साल लग गए थे, लेकिन मोदी राज के चंद दिनों में ही 200 पार हो गया। घरेलू गैस सिलेंडर जो भाजपाइयों को 400 रुपए में महंगा लगाता था, उसे 900-1000 तक पहुंचा दिए, कर्मिशयल गैस सिलेण्डर के दाम आज से 1580 से बढ़कर 1691 हो गया है। भाजपा सरकारों को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आम आदमी का जीवन स्तर दिनों दिन खराब हुआ है, सारी राहत और रियायत केवल भाजपाइयों के पूंजीपति मित्रों के लिए है, देश के संसाधन, सार्वजनिक उपक्रम उन्हीं पर लुटाए जा रहे हैं, आम जनता इस महंगाई में परिवार पालने के लिए संघर्ष कर रहा है। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में पूर्ववर्ती यूपीए की सरकार ने मनरेगा के नाम से रोजगार की कानूनी गारंटी का प्रावधान किया था जिसे मोदी सरकार ने महज़ योजना में परिवर्तित कर गरीबों का रोजगार का हक छीन लिया है, आम जनता की कमाई लगातार घट रही है, देश के संसाधनों पर मोदी के पूंजीपति मित्रों का एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है, देश में आर्थिक असमानता सरकार की गलत नीतियों की वजह से ही बढ़ रहा है, बेलगाम महंगाई से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है। महंगाई आम जनता के लिए भाजपा निर्मित आपदा बन चुकी है, रेलवे की टिकट से लेकर स्कूल, कॉलेजों की फीस तक सब कुछ कई गुना बढ़ चुका है। सरकार के संरक्षण में तरह-तरह के सेवा शुल्क लगाकर बैंक, आम खातेधारकों को खुलेआम लूट रही है।

कांग्रेस का मिशन गांव चलो अभियान का शफी अहमद ने किया शुभारंभ

रामानुजगंज। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मिशन गांव चलो अभियान के तहत संगठन को निचले स्तर तक और अधिक मजबूत करने के लिए रामानुजगंज विधानसभा के ब्लॉक कांग्रेस रामानुजगंज के अध्यक्ष मधु गुप्ता की नेतृत्व में पंचायत कमेटियों एवं बूथ कमेटियों के गठन की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में जिला प्रभारी शफी अहमद ने आरागाही मंडल के ग्राम मितगई में ग्रामीण एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया गया। शफी अहमद ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आने वाला कल कांग्रेस का है। प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की वादाखिलाफी बढ़ते अपराधों, नशे के कारोबार महिला उत्पीड़न,आदिवासियों पर अत्याचार जैसी घटनाओं से परेशान हो चली है जनता को अब सिर्फ कांग्रेस से ही उम्मीदें हैं। कार्यकर्ता घर घर जाकर लोगों को कांग्रेस की रीति नीति और भाजपा के कुशासन की जानकारी दें।

व्ही अतिथियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से कई बूथों और पंचायत कमेटियों का गठन किया गया। जिसमें बूथ क्रमांक 166 के लिए लक्ष्मण मराबी,बूथ क्रमांक 167 के लिए हीरालाल राम और बूथ क्रमांक 168 के लिए जगदेव अगरिया का चयन किया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत मितगई की कमेटी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी समल सिंह को सौंपी गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उक्त निर्णय पर करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय कुमार गुप्ता, अजय कुमार सोनी, अरुण अग्रवाल, अशोक जायसवाल, व्यासमुनी यादव, प्रमोद गोस्वामी, अरविंद दुबे, मुमताज अंसारी, कौशल जैसवाल,सनोज दास,प्रेम सागर सिंह, नीरज गुप्ता, मज़रुल अंसारी, अनिल गुप्ता, बुद्धदेव पोया, प्रतीक सिंह, अशोक गोड़, अजय गुप्ता, चंदेश्वर कुशवाहा, नौशाद आलम, बंशीधर सिंह,सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

दीपक जलाते समय किस बत्ती का करें चुनाव

अक्सर हम शाम को घर के मंदिर में दीया जलाते समय बस रुई की बत्ती उठाते हैं और उसे जला देते हैं, लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि मंदिर में रखी गोल बत्ती और लंबी बत्ती का अपना अलग महत्व है? ज्योतिष और वास्तु शास्त्र की मानें तो बत्ती का चुनाव आपकी प्रार्थना और इच्छा पर निर्भर करता है। वास्तु और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लंबी बत्ती का इस्तेमाल खास तौर पर धन की देवी मां लक्ष्मी सरस्वती और कुलदेवी की पूजा में किया जाता है। मान्यता है कि लंबी बत्ती जलाने से वंश की वृद्धि होती है और घर में सुख-संपत्ति का विस्तार होता है।

लंबी बत्ती का महत्व

शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि दक्षिण दिशा की ओर मुख करके लंबी बत्ती का दीया जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं। अगर आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, तो मां लक्ष्मी के सामने लंबी बत्ती जलाना शुभ माना जाता है।

गोल बत्ती है शांति और स्थिरता का आधार

गोल बत्ती, जिसे 'फूल बत्ती' भी कहा जाता है, इसका उपयोग मुख्य रूप से भगवान शिव (Lord Shiva), विष्णु, हनुमान जी और अन्य देवों की नियमित पूजा में होता है। इसे स्थिरता और एकाग्रता का प्रतीक माना जाता है।

कहां और क्यों जलाएं फूल बत्ती?

अगर घर में कलह रहती है, तो गोल बत्ती का दीया जलाना घर के माहौल को शांत और सकारात्मक बनाता है। अक्सर अखंड दीपों में या दैनिक आरती में गोल बत्ती का प्रयोग किया जाता है ताकि मन में ईश्वर के प्रति आस्था स्थिर रहे।

दिशाओं का रखें खास ख्याल

दीया जलाते समय सिर्फ बत्ती ही नहीं, उसकी दिशा भी बहुत मायने रखती है। शास्त्रों के अनुसार:

उत्तर दिशा: इस दिशा में दीया जलाने से स्वास्थ्य लाभ और ज्ञान मिलता है।

पूर्व दिशा: आयु में वृद्धि और आरोग्य के लिए पूर्व की ओर मुख करके दीया जलाएं।

पश्चिम दिशा: इस दिशा की ओर लौ रखने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है, इसलिए इससे बचना चाहिए।

शास्त्र कहते हैं कि चाहे बत्ती गोल हो या लंबी, अगर उसे पूरी श्रद्धा और स्वच्छता के साथ जलाया जाए, तो वह ईश्वर तक आपकी प्रार्थना जरूर पहुंचाती है। बस ध्यान रखें कि खंडित दीपक का प्रयोग न करें और दीपक जलाने के बाद उसके नीचे थोड़े अक्षत (चावल) जरूर रखें।

बालों में लगा रहीं मेहंदी तो पेस्ट में मिलाएं ये 3 चीजें

सफेद बालों को नेचुरली कलर करने के लिए मेंहदी का इस्तेमाल काफी कॉमन है। मेंहदी ना सिर्फ बालों को प्राकृतिक रूप से रंगने का काम करती है, बल्कि उन्हें नेचुरली कंडीशन भी करती है। सही तरह से अगर मेंहदी का मिक्स बनाया जाए तो बालों की ग्रोथ में भी मेंहदी काफी असरदार साबित हो सकती है। अब तो वैसे भी गर्मियां शुरू हो गई हैं, ये बेस्ट टाइम है जब आप अपने बालों में मेहंदी नियमित अंतराल पर लगा सकती हैं। बस मेंहदी का पेस्ट बनाएं तो उसमें कुछ और भी चीजें एड कर दें, जिससे बालों में रंगत और शाइन भी काफी अच्छी आएगी। साथ ही बालों को गहराई से पोषण भी मिलेगा और ग्रोथ में भी काफी मदद मिलेगी। ये सभी इंग्रीडिएंट्स बालों के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। तो चलिए फटाफट से जान लेते हैं मेंहदी का पेस्ट कैसे बनाना

बालों के लिए मेंहदी का पेस्ट कैसे बनाएं?

बाजार से आप कोई भी नेचुरल मेंहदी का पैकेट खरीद कर ला सकते हैं। ध्यान रहे इंग्रीडिएंट लिस्ट जरूर चेक कर लें, इसमें केमिकल मौजूद नहीं होने चाहिए। अब 3-4 गुड़हल के फूल (हिबिस्कस) ले कर उन्हें गर्म पानी में 10 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। इसे हाथों से अच्छी तरह रगड़ेंगे तो गुड़हल का जेल बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद चुकंदर को पीसकर पेस्ट बना लें। साथ में थोड़ा सा चायपत्ती का पानी भी पका लें। मेंहदी पाउडर में ये तीनों चीजें (गुड़हल के फूल का जेल, चुकंदर का रस और चायपत्ती का पानी) एड करें और मेंहदी का पेस्ट बनाकर तैयार करें। आपको इसमें सादा पानी बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करना है। इसे लोहे की कढ़ाही में बनाएं और रात भर के लिए रखकर छोड़ दें। सुबह अच्छी तरह मिक्स करें और

बालों में मेहंदी कैसे अप्लाई करें?

ध्यान रखें मेंहदी को हमेशा साफ बालों में लगाना चाहिए। बालों के छोटे-छोटे पोर्शन लें और मेंहदी अप्लाई करते जाएं। पूरे बालों को जड़ से ले कर सिरे तक अच्छी तरह से मेंहदी में कवर कर दें। इसे लगाकर कम से कम 2 घंटों के लिए छोड़ दें। फिर बिना शैंपू के सिर्फ पानी की मदद से वॉश कर लें। बाल अच्छे से सूख जाएं तो सरसों के तेल की मालिश करें, फिर अगले दिन शैंपू से वॉश कर लें।

बालों में मेंहदी लगाने से क्या-क्या फायदे होंगे?

अगर आप इस तरह से मेंहदी का पेस्ट बनाकर लगाते हैं तो कई फायदे हो सकते हैं। सबसे पहले तो इससे आपके बालों में काफी खूबसूरत सा लाल रंग आता है और बाल शाइन भी करते हैं। इसके अलावा अगर आपके बाल डैमेज हो गए हैं, तो ये नेचुरल मास्क रिपेयर में काफी मदद करता है। ये नेचुरल कंडीशनर की तरह काम करता है, जिससे बाल सॉफ्ट और सिल्की होते हैं, साथ ही हेयर ग्रोथ में भी मदद मिलती है।

दही खाने से स्किन को होने वाले फायदे

दही खाना सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, लेकिन कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक होती है। कैल्शियम हड्डियों को मजबूती देता है। क्या आप जानते हैं कि दही (Dahi) खाने से त्वचा को भी ढेरों फायदे होते हैं? जी हां, दही में कुछ ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो त्वचा के लिए बेहद जरूरी और फायदेमंद होते हैं। चलिए जानते हैं दही कैसे स्किन को लाभ पहुंचाता है इसमें कौन से पोषक तत्व होते हैं...

दही में मौजूद पोषक तत्व और फायदे

दही में कुछ ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण सेहत के साथ त्वचा के लिए बहुत जरूरी होते हैं। दही में कैल्शियम, गुड बैक्टीरिया यानी प्रोबायोटिक्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में होते हैं। ये इम्यूनिटी बूस्ट करते हैं। दही खाने से पाचन तंत्र में सुधार होता है। ऐसे में पेट और आंतों की सेहत दुरुस्त बनी रहती है। हड्डियों को मजबूती देता है दही। हार्ट के लिए भी हेल्दी है दही।

त्वचा के लिए दही खाने के फायदे

- जो लोग दही खाना पसंद नहीं करते हैं, वे भारी गलती कर रहे हैं। ये आपकी हड्डियों को तो स्ट्रॉन्ग बनाता ही है, त्वचा को भी कम उम्र में ही बढ़ती उम्र के लक्षणों से बचाए रखने का काम करता है।
दही में प्रोटीन, जिंक, लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को एक्सफोलिएट करता है। गहराई से हाइड्रेट करता है, नमी प्रदान करता है। इससे स्किन की ड्राइनेस दूर होती है और त्वचा पर निखार, ग्लो आता है।
- जिन लोगों को मुंहासे होते हैं, उन्हें भी दही खाना चाहिए। दही में मौजूद गुड बैक्टीरिया पेट में हानिकारक बैक्टीरिया का सफाया कर आंतों की सफाई करते हैं। जब आंतों में जमी गंदगी बाहर निकलती है, तो इससे स्किन पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है। एक्ने, पिंपल्स से छुटकारा मिल जाता है।
- दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा से डेड स्किन सेल्स को हटाकर स्किन पर चमक लाने का काम करता है। दही से चेहरा बेदाग और चमकदार भी बनता है। स्किन सॉफ्ट बनी रहती है।
- दही के सेवन से स्किन मुलायम बनती है। नमी बरकरार रहती है। बढ़ती उम्र के लक्षणों जैसे झाइयां, झुर्रियां, पिग्मेंटेशन, फाइन लाइंस से बचाव होता है।
- दही खाने से मुंहासों का कारण बनने वाले बैक्टीरिया का नाश होता है, क्योंकि दही में प्रोबायोटिक गुण और एंटी-बैक्टीरियल तत्व मौजूद होते हैं।
- यदि आपके चेहरे पर 25-30 की उम्र में ही डार्क स्पॉट, डार्क सर्कल, पिग्मेंटेशन और गर्मियों में धूप में घूमने के कारण सनटैन हो गया है तो दही का सेवन करने के साथ ही स्किन पर फेस मास्क की तरह अप्लाई भी करें।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आप दूसरों की मदद करने में इतने व्यस्त रहेंगे कि आपका अपना काम प्रभावित हो सकता है। शत्रु आपकी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश करेंगे, इसलिए सतर्क रहें। जीवनसाथी की सेहत में गिरावट चिंता का कारण बन सकती है।

वृषभ राशि - सुखद परिणाम वाला दिन है। संतान की ओर से उत्साहजनक खबर मिलेगी। यदि स्वास्थ्य खराब चल रहा था, तो सुधार होगा। घर में मेहमानों के आने से रौनक रहेगी और किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर मिलेगा। खर्चों पर आपका नियंत्रण रहेगा।

मिथुन राशि - आज उन्नति के मार्ग खुलेंगे। नई संपत्ति मिलने के योग हैं, लेकिन कागजी कार्रवाई में सावधानी बरतें। कार्यस्थल पर वर्कलोड बढ़ सकता है जिससे परिवार के लिए समय निकालना मुश्किल होगा। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें।

कर्क राशि - अचानक आर्थिक लाभ होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार के सदस्यों के करियर से जुड़ा कोई भी फैसला जल्दबाजी या भावुकता में न लें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सेहत को लेकर किसी भी तरह की अनदेखी करना भारी पड़ सकता है।

सिंह राशि - सरकारी क्षेत्र के कामों में सफलता मिलेगी। निवेश के लिए दिन जोखिम भरा हो सकता है, पैसा फंसने की संभावना है। काम की अधिकता से थकान होगी लेकिन रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। छात्रों को प्रतियोगिता में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कन्या राशि - आनंददायक दिन रहेगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यदि किसी को उधार दिया था, तो वह पैसा वापस मिल सकता है। लव लाइफ में मतभेद हो सकते हैं, इसलिए अपनी वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें। छात्रों को शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

तुला राशि-आज का दिन उपलब्धियों भरा रहेगा। आय के नए स्रोत मिलेंगे और काफी समय से अटका हुआ काम पूरा होगा। जीवनसाथी का सानिध्य मन को खुश रखेगा। मौसम के बदलाव के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, सर्दी-खांसी से बचें।

वृश्चिक राशि - आर्थिक लाभ के लिए बेहतरीन दिन है। आमदनी बढ़ने से कर्ज चुकाने में सफल रहेंगे। प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य के द्वार खोलेगी। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय सुखद है और संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।

धनु राशि- सांसारिक सुख-साधनों में वृद्धि होगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलने के योग हैं। जरूरी चीजों की खरीदारी पर खर्च होगा। हालांकि, नए शत्रु पैदा हो सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं को गुप्त रखें और पार्टनर से विवाद से बचें।

मकर राशि - अनुकूल दिन है। कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं का लाभ उठाएंगे। शाम तक कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। दोस्तों के साथ मनोरंजन और सुरुचिपूर्ण भोजन का आनंद लेंगे। वाहन चलाते समय सावधानी बरतना अनिवार्य है।

कुंभ राशि- व्यस्तता भरा दिन रहेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता और भागदौड़ हो सकती है। प्रॉपर्टी के काम में लाभ मिलेगा, लेकिन कागजों पर बिना पढ़े हस्ताक्षर न करें। किसी मित्र को सोच-समझकर ही कोई वादा करें।

मीन राशि- बिजनेस के लिए बहुत सुखद दिन है। लंबे समय से अटकी डील आज फाइनल हो सकती है। माता-पिता के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। छात्रों को मानसिक बोझ से राहत मिलेगी और प्रतियोगिता में सफलता हासिल होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

खूब चटपटा सा लौकी का रायता

गर्मियों में लौकी का रायता सबसे बेस्ट रहता है। ये आसानी से पचता भी है और सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। अब एक तरीका तो ये है कि आप सिंपल सा लौकी का रायता बना लें, लेकिन अगर थोड़ा चटपटा पसंद करती हैं तो आज वाली रेसिपी आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए। स्पेशल तड़का और कुछ मसाले मिलाकर इतना टेस्टी लौकी का रायता बनता है कि दो की भूख में चार रोटी खाई जा सकती हैं।

लौकी का चटपटा सा रायता कैसे बनाएं?

लौकी का रायता बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं - लौकी (1 मीडियम साइज), साबुत लाल मिर्च (3-4), लहसुन की कलियां (2-3), हरा धनिया पत्ता, गाढ़ी दही (1 कप), नमक (स्वादानुसार), भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, जीरा और सरसों का तेल।

गर्मियों में कुछ हल्का-फुल्का और चटपटा सा खाने का मन है तो लौकी का रायता बना सकती हैं। इसे बनाना भी आसान है और ये कुछ ही मिनटों में बन भी जाता है। इसके लिए सबसे पहले लौकी को छीलकर मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लें। अब लौकी को प्रेशर कुकर में डालें और साथ ही पानी भी मिलाएं। आपको लौकी को अच्छी तरह उबालने के लिए रख देना है, ताकि ये बिल्कुल सॉफ्ट हो जाए। तब तक मुट्ठीभर ताजा हरा धनिया, साबुत लाल मिर्च और लहसुन की कलियां लें और थोड़ा सा पानी मिलाकर किसी खलबट्टे में अच्छी तरह कूटकर दरदरा सा पेस्ट बना लें। अगर आप लहसुन नहीं खाते हैं तो स्किप कर सकते हैं। अब उबली हुई लौकी को भी खलबट्टे में दरदरा सा पीस लें। एक पतला सा पेस्ट बन जाएगा। अब एक बाउल में फ्रेश दही लें और उसे अच्छी तरह फेंट लें। इसमें लौकी का पेस्ट मिलाएं और साथ ही धनिया, लाल मिर्च और लहसुन का जो पेस्ट आपने बनाया था, उसे भी एड कर दें। स्वादानुसार नमक, भुना जीरा पाउडर और काली मिर्च का पाउडर एड करें। सभी चीजों को आपस में अच्छी तरह मिक्स कर लें। तड़के के लिए थोड़ा सा सरसों का तेल गर्म करें, उसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालें। रायते में इसका तड़का लगा लें, बहुत ही चटपटा और टेस्टी सा लौकी का रायता बनकर रेडी हो जाएगा।

ऐसे करें अपनी डाइट में नमक को बैलेंस

हमारे शरीर को सही तरीके से काम करने के लिए बहुत ही कम मात्रा में सोडियम की जरूरत होती है, लेकिन इसकी अधिकता ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकती है। हम घर पर ही नहीं बाहर खाने के दौरान भी छोटे-छोटे ट्रिक्स से नमक के इनटेक को नियंत्रित कर सकते हैं।

जब घर पर खा रहे हों

हमेशा फ्रेश फूड्स ही चुनें, जैसे फल और सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट्स कैन या पैकेट वाली चीजों को सीमित कर दें। अपने खाने का स्वाद पार्सले, धनिया, पुदीना, बेसिल, लहसुन जैसे ताजे या ड्राई हर्ब्स की मदद से बढ़ाने की कोशिश करें। दालचीनी, इलायची, जीरा, कालीमिर्च, करी पाउडर जैसे हेल्दी मसाले इस्तेमाल करें। नमक या सॉस मिलाने से पहले अपना खाना चखकर देखें। अपने टेस्ट बड को कम नमक वाला खाना खाने की आदत डालें। कुकिंग के दौरान अपने खाने में नमक और सॉसेस की मात्रा को धीरे-धीरे कम करने की कोशिश करें। ज्यादा नमक वाले स्नैक्स जैसे आलू के चिप्स या सॉल्टेड नमकीन की जगह ताजे फल या ड्राइड फ्रूट्स, अनसॉल्टेड नट्स लें

बाहर खाने के दौरान इन बातों का रखें ख्याल

रेस्टोरेंट में कम नमक या बिना ग्रेवी वाली चीजें ऑर्डर करें। आप शेफ से कम नमक या सॉस में खाना बनाने के लिए कह सकते हैं। अगर आपने सॉपी डिशेज ऑर्डर की हैं तो फिर अलग से सूप लेने से बचें। अपने खाने में ऊपर से सॉस या टेबल सॉल्ट ना मिलाएं। फ्लेवर्ड राइस की जगह प्लेन राइस ऑर्डर करें।

सेहत के प्रति सजग उपभोक्ताओं के लिए बेहतरीन ड्रिंक

भारत की अग्रणी नैचुरल हेल्थ एवं आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से देश के पसंदीदा पैकेज्ड फ्रूट ज्यूस ब्राण्ड रियल ने रियल एक्टिव फ्रूट ज्यूस के साथ उपभोक्ताओं को पोषण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है- फ्रूट ज्यूस की इस स्वादिष्ट और रिफ्रेशिंग रेंज में अतिरिक्त चीनी का इस्तेमाल नहीं किया जाता। आज के दौर में उपभोक्ता जीवनशैली के सेहतमंद विकल्पों अपना रहे हैं, ऐसे में रियल एक्टिव ने भारत के हाइड्रेटेड रहने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है।

फलों के गुणों से भरपूर रियल एक्टिव को बनाने में अतिरिक्त चीनी और बिना अतिरिक्त प्रीज़रवेटिव्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता, ऐसे में यह गर्मियों के इस सीज़न आपको हाइड्रेटेड और रिफ्रेश्ड बनाए रखने के लिए बेहतरीन है- आप चाहें सुबह के नाश्ते से लेकर दिन में स्नैकिंग तक किसी भी तरह इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।गर्मियों में तापमान बढ़ने के साथ अपने आप को हाइड्रेटेड रखना और भी ज़रूरी हो जाता है। सोडा और कोला में फिज़ होती है, साथ ही इनमें 5 क्यूब अतिरिक्त चीनी भी होती है, इसके अलावा ये ड्रिंक्स किसी भी तरह से पौष्टिक नहीं हैं, इनके हर ग्लास में कैलोरीज़ के अलावा और कुछ नहीं होता। वहीं दूसरी ओर रियल एक्टिव फलों के गुणों से भरपूर रियल एक्टिव में जीरो एडेड शुगर और नो एडेड प्रीज़रवेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता, ऐसे में यह गर्मियों के इस सीज़न आपको हाइड्रेटेड और रिफ्रेश्ड बनाए रखने के लिए बेहतरीन है- आप चाहें सुबह के नाश्ते से लेकर दिन में स्नैकिंग तक किसी भी तरह इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।।'' मयंक कुमार, वाइस प्रेसिडेंट – मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा।आज के दौर में उपभोक्ता स्वाद से कुछ बढ़कर उम्मीद करते हैं- वे चाहते हैं वे जिस प्रोडक्ट का सेवन कर रहे हैं, वह प्राकृतिक अवयवों से बना हो और पौष्टिक तत्वों से भरपूर हो। फलों के गुणों से भरपूर बिना चीनी के बना रियल एक्टिव उपभोक्ताओं की इन सभी उम्मीदों पर खरा उतरता है। तो आप साल भर रियल एक्टिव रेंज क साथ फलों के पोषण और स्वाद का लुत्फ़ उठा सकते हैं। इसका हर वेरिएन्ट- एप्पल से लेकर ओरेंज, पॉमेग्रेनेट, क्रेनबेरी और मिक्स्ड फ्रूट- फलों का असली स्वाद देता है। इस तरह आप फलों को काटने और छीलने के झंझट से छुटकारा पाकर हर मौसम में अपने पसंदीदा फलों का लुत्फ़ उठा सकते हैं। आप सुबह के नाश्ते साथ पौष्टिक ज्यूस पीना चाहते हैं, चीनी से भरे कोला के बजाए को पौष्टिक ड्रिंक चाहते हैं या दिन में रिफ्रेश होना चाहते हैं, रियल एक्टिव आपकी आधुनिक एवं सेहत के प्रति सजग जीवनशैली में पूरी तरह से फिट बैठता है।" रियल एक्टिव के साथ, हमने फलों की बेहतरीन पौष्टिकता का अनुभव प्रदान करने के लिए अपने जूस को बड़ी सावधानी से तैयार किया है। चाहे आपके नाश्ते के साथ हो, वर्कआउट के बाद ताजगी की जरूरत हो, या दोपहर के खाने में अधिक कैलोरी वाले सोडा के विकल्प के रूप में इसे चुनना हो— रियल एक्टिव आपकी जीवनशैली में पूरी तरह समा जाता है। यह भीषण गर्मी और उमस भरे दिनों में आपके शरीर के लिए आवश्यक हाइड्रेशन सुनिश्चित करता है।" मिस मोनिशा पाराशर, जी.एम. मार्केटिंग- फूड्स, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा।रियल एक्टिव फ्रूट ज्यूस देश भर में सभी अग्रणी रीटेल स्टोर्स, सुपर मार्केट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 06 अप्रैल 2026

कलेक्टर ने कवर्धा में चल रहे निर्माण कार्यों का किया सघन निरीक्षण

अधिकारियों-ठेकदारों को गुणवत्ता के साथ काम जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

कवर्धा (विश्व परिवार)। जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेने कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। इस दौरान उन्होंने कवर्धा के शॉपिंग कांप्लेक्स, गौरव पथ रोड कवर्धा, शहर में अंबेडकर चौक से समनापुर पुल तक बी.टी. रोड एवं नाली का कार्य, मानिकपुर में नहर लाइनिंग कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, डिप्टी कलेक्टर श्री आर बी देवांगन, तहसीलदार श्री परमेश्वर मंडावी, सीएमओ श्री रोहित साहू सहित संबंधित अधिकारी, इंजीनियर एवं ठेकेदार उपस्थित रहे।

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और गौरवपथ का निरीक्षण

कलेक्टर ने 2.27 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा लगभग 2.22 किलोमीटर लंबे गौरवपथ निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य तय मापदंडों के अनुरूप ही किए जाएं और गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण होना चाहिए।

कवर्धा शहर में सड़क एवं नाली निर्माण का निरीक्षण

कवर्धा शहर में अंबेडकर चौक से समनापुर पुल तक लगभग 2 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से बी.टी. रोड एवं नाली का कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने स्वयं मौके पर पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क चौड़ीकरण के लिए किए जा रहे माप को ध्यान से देखा और सुनिश्चित किया कि काम सही तरीके से हो रहा है या नहीं। कलेक्टर श्री वर्मा ने निरीक्षण के दौरान वार्डवासियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। साथ ही नागरिकों से सड़क निर्माण कार्य में सहयोग करने और कार्य को सुचारू रूप से पूर्ण कराने में सहभागिता निभाने की अपील की।

मानिकपुर में नहर लाइनिंग कार्य का लिया जायजा :- कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने ग्राम मानिकपुर पहुंचकर निर्माणाधीन नहर लाइनिंग कार्य का भी निरीक्षण किया। यह कार्य किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने मौके पर कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि नहर लाइनिंग का कार्य तकनीकी मापदंडों के अनुरूप किया जाए, ताकि दीर्घकालीन लाभ सुनिश्चित हो सके। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए निर्धारित समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा 8 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं उससे संबद्ध माइनर नहरों के सीसी लाइनिंग कार्य का भूमि पूजन किया गया था, जिसमें ग्राम मानिकपुर का कार्य भी शामिल है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूर्ण किया जाए और गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न रहे।

भाजपा स्थापना दिवस पर 6 से 12 तक अनेक कार्यक्रम

प्रदेश महामंत्री यशवन्त जैन ने दी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी आगामी 6 अप्रैल को अपना 47वाँ स्थापना दिवस मनाने जा रही है। इस अवसर पर पार्टी द्वारा 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक एक विशेष सेवा सप्ताह और संगठनात्मक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी यशवन्त जैन ने उक्त कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार, बूथ स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक व्यापक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी श्री जैन ने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पार्टी कार्यालयों और घरों में 5 से 7 तक अप्रैल को दीपोत्सव किया जाएगा। स्थापना दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हुए 5 से 7 अप्रैल को प्रदेश एवं सभी जिला कार्यालयों में विशेष सजावट की जाएगी। कार्यालयों को झालर, दीपों और रंगोली से भव्य रूप दिया जाएगा। 6 अप्रैल को सभी कार्यालयों में विधिवत ध्वजारोहण होगा, जिसके पश्चात पार्टी के विकास और विचारधारा पर उद्बोधन एवं मिष्ठान्न व शरबत वितरण का कार्यक्रम होगा। इसी के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता अपने घर पर गौरव के साथ पार्टी का ध्वज फहराएगा और 'सेल्फी' व फोटो सोशल मीडिया पर साझा कर अभियान को व्यापक रूप देगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी श्री जैन ने 6 और 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर आयोजन के बारे में बताया कि पार्टी की शक्ति के केंद्र 'बूथ' पर प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्य एकत्रित होकर स्थापना दिवस मनाएंगे। इस दौरान संगठनात्मक चर्चा के साथ-साथ पार्टी की मजबूती का संकल्प लिया जाएगा। 8 और 9 अप्रैल को जिला सम्मेलन होंगे जिनमें प्रत्येक जिले में सक्रिय सदस्यों का एक वृहद् सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में संगठनात्मक विस्तार और भाजपा की विकास यात्रा व चुनावी सफलताओं की रणनीति पर चर्चा होगी। अंत्योदय, राष्ट्र प्रथम की भावना और सांस्कृतिक उत्थान (श्री राम मंदिर, काशी विश्वनाथ और उज्जैन कॉरिडोर का निर्माण) आदि विषयों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय और जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी विमर्श होगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री जैन ने बताया कि 7 से 12 अप्रैल तक पार्टी का 'गाँव/बस्ती चलो अभियान' चलाकर जनसंपर्क को नई ऊँचाई प्रदान करेगी। इस अभियान के तहत सांसद, विधायक, निगम-मंडल-बोर्ड के पदाधिकारी, पार्षद, पंचायत प्रतिनिधि और संगठन के सभी स्तर के पदाधिकारी अनिवार्य रूप से गाँवों और बस्तियों में प्रवास करेंगे। इस दौरान बड़ी विधानसभाओं में न्यूनतम 50 गाँव और छोटी विधानसभाओं में न्यूनतम 20 गाँवों में सघन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्री जैन ने बताया कि इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर सफाई कर स्वच्छता का संदेश देने, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान करना और समाज के प्रबुद्धजनों व गणमान्य व्यक्तियों से भेंट कर समन्वय स्थापित करने, लाभार्थी संवाद: केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से प्रत्यक्ष चर्चा करने और उपलब्धियों पर व्यापक विमर्श करने के कार्यक्रम भी इस श्रृंखला में आयोजित किए जाएंगे।

किरण देव ने दी भाजपा स्थापना दिवस की बधाई

भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र को हमेशा पहली प्राथमिकता देता है : किरण देव

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रवेश अध्यक्ष किरण देव ने सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा के स्थापना दिवस की बधाई दी है। श्री देव ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता राष्ट्र को पहली प्राथमिकता देता है। जन सेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि हमारे पितृ पुरुषों ने राष्ट्र के विकास के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे, राजमाता विजयाराजे सिंधिया, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास में भाजपा के पितृ पुरुषों की सहभागिता महत्वपूर्ण रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, परन्तु इसका इतिहास भारतीय जनसंघ से जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता प्राप्ति तथा देश विभाजन के साथ ही देश में एक नई राजनीतिक परिस्थिति उत्पन्न हुई। श्री देव ने कहा कि भाजपा का एक संविधान है जो अपने संविधान के तहत सालभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है। हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के कार्यकर्ता है। यह हमारे लिए गौरव का विषय है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा है भारतीय जनता पार्टी एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है। पार्टी की कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान 'विश्वशक्ति' एवं 'विश्व गुरू' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। इसके साथ ही विश्व शांति तथा न्याययुक्त अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखे।

पढ़ाते, वे भविष्य गढ़ते हैं : विधायक पुरन्दर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन की प्रांतीय आमसभा में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को नई ऊर्जा और प्रेरणा से भर दिया।अपने ओजस्वी एवं विचारपूर्ण संबोधन में विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान के वाहक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सशक्त शिल्पकार हैं। उन्होंने कहा कि एक अच्छा शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान नहीं देता, बल्कि वह अपने विद्यार्थियों में सोचने, समझने और सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी जगाता है।

उन्होंने आगे कहा कि किसी भी समाज की प्रगति उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है, और शिक्षा व्यवस्था की आत्मा उसके शिक्षक होते हैं। जब शिक्षक सम्मानित, समर्थ और प्रेरित होते हैं, तब ही राष्ट्र समृद्ध और सशक्त बनता है।विधायक श्री मिश्रा ने शिक्षक साथियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके अनुभवों और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा विश्वास दिलाया कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि आज के बदलते दौर में शिक्षक केवल पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और चरित्र निर्माण के आधार स्तंभ हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा प्रदान करते हैकार्यक्रम के अंत में विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी ने सभी शिक्षकों के समर्पण और योगदान को नमन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।यह आमसभा ज्ञान, प्रेरणा और संकल्प का ऐसा संगम बनी, जिसने शिक्षा के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का संदेश दिया।

साय ने जशपुर के पूर्व विधायक जगेश्वर राम भगत के निधन पर जताया शोक

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जशपुर के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री जगेश्वर राम भगत के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि स्वर्गीय भगत का जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान, सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए पूर्णतः समर्पित रहा। वे वनवासी कल्याण आश्रम के समर्पित कार्यकर्ता थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से शोक संतप्त परिजनों को इस दु:ख की घड़ी में संबल और धैर्य प्रदान करने की कामना की है।

राष्ट्रीय रिटेल विकास परिषद का गठन समय की मांग : कैट

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंथन, श्री वासु माखीजा, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी, श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कैट ने सरकार से ई-कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनियों की बढ़ती मनमानी और अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर तुरंत सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

श्री अमर पारवानी ने संसद द्वारा पारित जन विश्वास विधेयक 2.0 का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह कदम व्यापार में विश्वास और सुगमता को बढ़ाने वाला है। इससे देश के व्यापारियों और उद्यमियों को मजबूती मिलेगी और एक सकारात्मक कारोबारी माहौल बनेगा।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि विदेशी पूंजी से संचालित कुछ ई-कॉमर्स कंपनियां भारत के व्यापारिक संतुलन को बिगाड़ रही हैं। देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारी, जो आपूर्ति श्रृंखला और रोजगार का मुख्य आधार हैं, उनके सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो रही है।

श्री पारवानी ने बताया कि प्रिडेटरी प्राइसिंग, अत्यधिक छूट (डीप डिस्काउंटिंग), डार्क पैटर्न्स, मार्केटप्लेस के नाम पर इन्वेंट्री मॉडल, चुनिंदा विक्रेताओं को बढ़ावा देना और डार्क स्टोर्स का तेजी से विस्तार—ये सभी प्रथाएं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के खिलाफ हैं और छोटे व्यापारियों के लिए खतरा बन रही हैं।उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसी कंपनियों को भारत में मनमानी करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ऑफलाइन और ऑनलाइन व्यापार के बीच समान अवसर जरूरी है, तभी देश की अर्थव्यवस्था संतुलित और मजबूत बनेगी।

कैट ने सरकार से मांग की कि राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति को जल्द लागू किया जाए, सख्त और पारदर्शी नियम बनाए जाएं तथा इन गतिविधियों पर निगरानी के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार की जाए।

संस्थागत सुधार की जरूरत बताते हुए श्री पारवानी ने राष्ट्रीय रिटेल विकास परिषद के गठन की मांग की, ताकि व्यापारियों को नीति निर्माण में उचित भागीदारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि व्यापार से जुड़े निर्णयों में व्यापारियों की भागीदारी जरूरी है। इस परिषद के गठन से नीतियां अधिक व्यवहारिक और जमीनी जरूरतों के अनुरूप बनेंगी।

अंत में उन्होंने कहा कि जब भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है, तब यह जरूरी है कि विकास निष्पक्ष, संतुलित और सभी के लिए लाभकारी हो।

मजबूत व्यापार ही मजबूत भारत की नींव है।

सड़क किनारे गंभीर रूप से झुलसी मिली छात्रा की रायपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)। बीते दिन शनिवार कोविश्रामपुर के आरटीआइ कालोनी और पासिंग नाला के बीच भटगांव मार्ग किनारे रामनगर ग्राम के 17 वर्षीय छात्रा बुरी तरह आग से झुलसी हुई बुरी हालत में मिली।सुबह 8बजे जब आवाजाही करने वाले लोगों की नजर उस पड़ी, तो देखते ही देखते आसपास की ग्रामों में सनसनी फैल गई। तुरंत लोगों ने पुलिस की सूचना दें सूचना पर तत्काल पहुंचे थाना प्रभारी प्रकाश राठौड़ आम जनों की मदद से विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया , जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कालेज अंबिकापुर रेफर किया गया। लेकिन 95 प्रतिशत तक जल चुकी किशोरी की हालत अति गंभीर होने के कारण डाक्टरों ने उसे रायपुर रेफर कर दिया। घटना के बाद जब पुलिस ने घायल छात्रा से पूछताछ की, तो वह लड़खड़ाती आवाज में एक मोबाइल नंबर ही बता सकी। इसी नंबर के आधार पर पुलिस एक युवक तक पहुंची और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है साथ ही अन्य युवकों को भी धड़ पकड़ कर के गंभीरता से पूछताछ कर रही है। झुलसी छात्रा ग्राम रामनगर निवासी बताई जा रही है, जो एक मेघावी छात्र के रूप में उसकी छवि स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल में थी।प्रारंभिक उपचार के बाद छात्रा को हायर सेंटर रेफर रायपुर भेजा गया था जहां उसने दम तोड़ दी*

उसकी संबंध में उड़ती हुई चर्चा हो रही है कि उसकी परीक्षाएं भी चल रही हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि किशोरी और उसके गांव के ही युवक के बीच पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों के रिश्ते को लेकर पहले भी विवाद हो चुका था, यहां तक कि एक बार किशोरी के स्वजन ने युवक की पिटाई भी कर दी थी। चर्चा है कि छात्रा ने सूरजपुर से लोन पर करीब 17 हजार रुपये का मोबाइल खरीदा। दोनों ने मिलकर किस्त चुकाने की बात तय की थी, लेकिन किशोरी द्वारा किश्त नहीं चुकाने पर दो दिन पहले ही युवक ने मोबाइल अपने पास रख लिया। शुक्रवार रात किशोरी अपना मोबाइल लेने युवक के घर पहुंची और वहीं युवक से भुगतान न किए जाने पर मोबाइल भुगतान को लेकर हुआ विवाद हुआ। विवाद जैसे ही कई बातों को हवा मिल रही है जिस पर पुलिस विभिन्न बिंदुओं को एकत्रित कर इस हत्या की गुत्थी सुलझाने में थाना प्रभारी प्रकाश राठौड़ लगे हुए हैं उन्होंने उम्मीद जताई कि बहुत जल्द से जल्द मामले की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय गोयल पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाया

गरीब का इलाज, बेटी की शादी और बच्चों की पढ़ाई सबसे बड़ी सेवा :सांसद

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल आज अग्रसेन धाम में अग्रवाल सभा रायपुर द्वारा आयोजित अग्र मंथन 2026 कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियों विषय पर अपने विचार रखते हुए अग्र समाज की भूमिका और जिम्मेदारियों पर गहन प्रकाश डाला।सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि भगवान अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलने वाला अग्र समाज सदैव राष्ट्र और समाज की अगुवाई करता आया है। पूरे देश में अग्र समाज ने न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक उत्थान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज समय की आवश्यकता है कि हम स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करें।उन्होंने परिवार को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि मजबूत और संस्कारित परिवार ही सशक्त समाज की नींव होते हैं। बच्चों को संस्कारित करने और उनमें गौरव की भावना विकसित करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपनी परंपराओं और मूल्यों को नई पीढ़ी में पुनर्स्थापित करना होगा।श्री अग्रवाल ने सेवा के मूल भाव को रेखांकित करते हुए कहा कि गरीब का इलाज, गरीब बेटी की शादी और गरीब बच्चों की पढ़ाई—ये ही सच्ची समाज सेवा के सबसे बड़े कार्य हैं। आइए हम सब संकल्प लें कि कोई भी गरीब इलाज के अभाव में दम नहीं तोड़ेगा, कोई बच्चा शिक्षा से दूर नहीं होगा और कोई भी बेटी पैसे के अभाव में अपने सपनों से वंचित नहीं रहेगी, उसका विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो—यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि मंदिर से भी बड़ा शिक्षा का मंदिर होता है, जहां बच्चों का भविष्य निर्माण होता है, इसलिए समाज को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आज देश भर में बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के भवन हैं, उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक अग्रसेन भवन को स्किल डेवलपमेंट सेंटर के रूप में विकसित किया जाए, जहां महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई तथा बच्चों को कंप्यूटर जैसे आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किए जा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उनके मार्गदर्शन और संस्कारों को सुदृढ़ करने की है। अग्रसेन जी द्वारा दिखाए गए सेवा और सहयोग के मार्ग को अपनाकर ही समाज निरंतर प्रगति कर सकता है।इस अवसर पर युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया तथा अग्र धरोहर पत्रिका का विमोचन भी संपन्न हुआ।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए श्री बृजमोहन अग्रवाल ने अग्रवाल सभा रायपुर के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट्रष्ट्र चेयरमैन राजीव अग्रवाल, पूर्व विधायक गौरी शंकर अग्रवाल अग्रवाल सभा रायपुर अध्यक्ष श्री विजय अग्रवाल जी, महासचिव श्री मनमोहन अग्रवाल जी, उपाध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल जी, संगठन मंत्री श्री योगी अग्रवाल, श्री चतुर्भुज अग्रवाल समेत समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

RAIPUR BUSINESS HUB
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड
CMA DATA
BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन
फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354